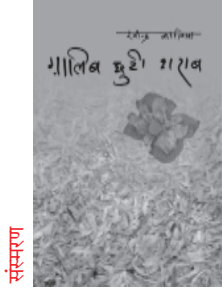




# पुस्तक सूची

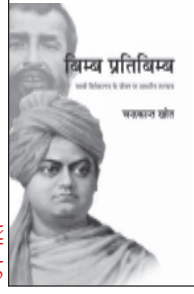
भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन का मुखपत्र

## नयी पुस्तकें



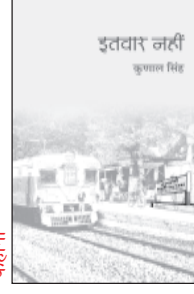
संस्मरण

**ग़ालिब छुटी शराब**  
रवीन्द्र कालिया  
पृष्ठ 296; मूल्य 300



उपन्यास

**बिम्ब प्रतिबिम्ब**  
चन्द्रकान्त खोत  
पृष्ठ 544; मूल्य 550



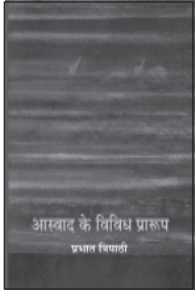
कहानी

**इतवार नहीं**  
कुणाल सिंह  
पृष्ठ 140; मूल्य 140



कहानी

**जंक्शन**  
चन्दन पांडेय  
पृष्ठ 120; मूल्य 130



आलोचना

**आस्वाद के विविध प्रारूप**  
प्रभात त्रिपाठी  
पृष्ठ 164; मूल्य 170



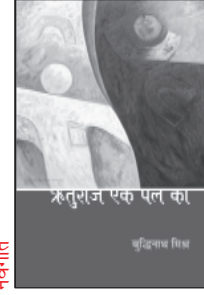
कहानी

**भितरघात**  
जयनन्दन  
पृष्ठ 160; मूल्य 160



उपन्यास

**मिस सैम्युएल**  
शीला रोहेकर  
पृष्ठ 224; मूल्य 230



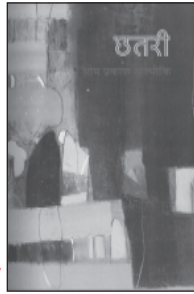
नवगीत

**ऋतुराज एक पल का**  
बुद्धिनाथ मिश्र  
पृष्ठ 132; मूल्य 140



कहानी

**हादसा**  
राजनारायण बोहरे  
पृष्ठ 128; मूल्य 130



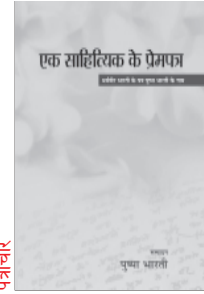
कहानी

**छतरी**  
ओम प्रकाश वाल्मीकि  
पृष्ठ 132; मूल्य 140



कविता

**असहमति**  
हरीशचन्द्र पाण्डे  
पृष्ठ 104; मूल्य 120



पत्राचार

**एक साहित्यिक के प्रेमपत्र**  
पूष्पा भारती  
पृष्ठ 642; मूल्य 650

www.jnanpith.net

**राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय द्वारा सरकारी संस्थानों/उपक्रमों/मन्त्रालयों के  
पुस्तकालयों हेतु चयनित हिन्दी पुस्तकों की सूची 2012**

| सूची क्रमांक | विधा/विषय    | पुस्तक का नाम                   | लेखक/अनु. का नाम         | मूल्य |
|--------------|--------------|---------------------------------|--------------------------|-------|
| 126          | आलोचना       | प्रतिरोध की संस्कृति और साहित्य | परमानन्द श्रीवास्तव      | 150/- |
| 639          | उपन्यास      | गोदान (पेपरबैक)                 | मुंशी प्रेमचन्द          | 75/-  |
| 640          | उपन्यास      | रंगभूमि (पेपरबैक)               | मुंशी प्रेमचन्द          | 100/- |
| 641          | उपन्यास      | फाँस                            | विजय गौड़                | 270/- |
| 642          | उपन्यास      | मुझे चाँद चाहिए                 | सुरेन्द्र वर्मा          | 500/- |
| 1478         | कविता-संग्रह | अज्ञेय रचनावली, भाग 1           | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 410/- |
| 1477         | कविता-संग्रह | अज्ञेय रचनावली, भाग 2           | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 520/- |
| 1344         | कहानी-संग्रह | अज्ञेय रचनावली, भाग 3           | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 690/- |
| 643          | उपन्यास      | अज्ञेय रचनावली, भाग 4           | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 500/- |
| 644          | उपन्यास      | अज्ञेय रचनावली, भाग 5           | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 400/- |
| 645          | उपन्यास      | अज्ञेय रचनावली, भाग 6           | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 300/- |
| 646          | उपन्यास      | क्रिकेट                         | के.एल. मोहन वर्मा        | 310/- |
| 647          | उपन्यास      | चार दरवेश                       | हृदयेश                   | 170/- |
| 648          | उपन्यास      | दुर्गादास                       | प्रेमचन्द                | 100/- |
| 649          | उपन्यास      | परख (पेपर बैक)                  | जैनेन्द्र कुमार जैन      | 60/-  |
| 650          | उपन्यास      | कल्याणी (पेपर बैक)              | जैनेन्द्र कुमार जैन      | 70/-  |
| 651          | उपन्यास      | सुखदा (पेपर बैक)                | जैनेन्द्र कुमार जैन      | 100/- |
| 652          | उपन्यास      | सुल्तान रज़िया                  | मेवाराम                  | 650/- |
| 653          | उपन्यास      | अरावली                          | किशोर सिंह सोलंकी        | 280/- |
| 654          | उपन्यास      | फिर वही सवाल                    | दिनेश कर्नाटक            | 200/- |
| 1339         | कहानी-संग्रह | आदमी का डर                      | शेखर जोशी                | 190/- |
| 1340         | कहानी-संग्रह | नौ लम्बी कहानियाँ               | सम्पा. रवीन्द्र कालिया   | 270/- |
| 1341         | कहानी-संग्रह | पालवा                           | भालचन्द्र जोशी           | 150/- |
| 1342         | कहानी-संग्रह | समकालीन गुजराती कहानियाँ        | सम्पा. मीनाक्षी जोशी     | 200/- |
| 1343         | कहानी-संग्रह | अयोध्या बाबू सनक गये हैं        | उमा शंकर चौधरी           | 170/- |
| 1475         | कविता-संग्रह | बिल्कुल तुम्हारी तरह            | जितेन्द्र श्रीवास्तव     | 100/- |
| 1476         | कविता-संग्रह | समुद्र में नदी                  | दिनेश कुमार शुक्ल        | 160/- |
| 1687         | गज़लें       | शहरयार सुनो...                  | सम्पा. गुलज़ार           | 220/- |
| 1711         | गीत-संग्रह   | आने वाले कल पर                  | सुधांशु उपाध्याय         | 160/- |
| 1712         | गीत-संग्रह   | बुद्ध मुस्कराये                 | यश मालवीय                | 160/- |
| 2253         | नाटक         | रति का कंगन                     | सुरेन्द्र वर्मा          | 150/- |
| 2254         | नाटक         | नदी प्यासी थी                   | धर्मवीर भारती            | 100/- |
| 3030         | व्यंग्य      | शेष अवशेष                       | रवीन्द्रनाथ त्यागी       | 180/- |
| 3200         | संचयन        | फ्रैज़ की सदी                   | सम्पा. रवीन्द्र कालिया   | 110/- |
| 3271         | साक्षात्कार  | साधना से संवाद                  | प्रेमकुमार               | 240/- |

(सं. 11014/18/2012-रा.भा.(प), भारत सरकार, गृह मन्त्रालय, राजभाषा विभाग से 2012 में चयनित)

**भारतीय ज्ञानपीठ**  
**वर्ष की नयी पुस्तकें**

|   |                             |     |
|---|-----------------------------|-----|
| ग़ालिब छुटी शराब (संस्मरण)                                  | रवीन्द्र कालिया             | 300 |
| सूखते चिनार (उपन्यास)                                       | मधु कांकरिया                | 150 |
| बिम्ब प्रतिबिम्ब (उपन्यास)                                  | चन्द्रकान्त खोत             | 550 |
| प्रिंट लाइन (उपन्यास)                                       | परितोष चक्रवर्ती            | 340 |
| देवशिंशु (उपन्यास)  | सुस्मिता बाग्ची             | 140 |
| तलघर (उपन्यास)  | ज्ञानप्रकाश विवेक           | 180 |
| दो मुर्दों के लिए गुलदस्ता (उपन्यास)                        | सुरेन्द्र वर्मा             | 280 |
| शब्द भी हत्या करते हैं (उपन्यास)                            | हृदयेश                      | 130 |
| रितुराज एक पल का (नवगीत)                                    |                             |     |
| भितरघात (कहानी-संग्रह)                                      | जयनन्दन                     | 160 |
| हादसा (कहानी-संग्रह)  | राजनारायण                   | 130 |
| भीड़ में (कहानी-संग्रह)                                     | रूपसिंह चन्देल              | 130 |
| सूत की कहानी (कहानी-संग्रह)                                 | गोपाल कमल                   | 320 |
| मर्द नहीं रोते (कहानी-संग्रह)                               | सूरज प्रकाश                 | 170 |
| मोहाली से मेलबर्न (यात्रा वृत्तांत)                         | फूलचन्द मानव                | 130 |
| पाकिस्तान का मतलब क्या (यात्रा वृत्तांत)                    | असगर वजाहत                  | 120 |
| एक साहित्यिक के प्रेमपत्र (पत्राचार)                        | पुष्पा भारती                | 650 |
| मंटो की सदी (संचयन)   | सम्पा. रवीन्द्र कालिया      | 350 |
| फ्रैज़ की सदी (चुनिन्दा ग़ज़लें और नज़्में तथा मूल्यांकन)   | सम्पा. रवीन्द्र कालिया      | 110 |
| रामायण : मानवता का महाकाव्य (अध्ययन)                        | गुणवन्त शाह                 | 650 |
| गाँधी : एक खोज (अध्ययन)                                     | श्रीभगवान सिंह              | 220 |
| हिन्दी आलोचना का स्वत्व (आलोचना)                            | अजय वर्मा                   | 180 |
| जैनधर्म परिचय   | सम्पा. प्रो. वृषभप्रसाद जैन | 400 |
| मनोनयन (शोध)  | प्रभाकिरण जैन               | 180 |
| शालभंजिका (उपन्यास)   | मनीषा कुलश्रेष्ठ            | 100 |
| अरावली (उपन्यास)  | किशोर सिंह सोलंकी           | 280 |
| घर का आखिरी कमरा (उपन्यास)                                  | प्रियदर्शन मालवीय           | 150 |
| लेडीज हॉस्टल (उपन्यास)                                      | केशुभाई देसाई               | 270 |
| तन्द्रालोक का प्रहरी (उपन्यास)                              | मनोज दास                    | 160 |
| हर्ता कुँवर का वसीयतनामा (कहानी संग्रह)                     | उदयभानु पांडेय              | 130 |
| जिनकी मुट्ठियों में सुराख था (कहानी-संग्रह)                 | नीलाक्षी सिंह               | 140 |
| प्यार के दो-चार पल (कहानी संग्रह)                           | कमल                         | 130 |
| पूर्वज (कहानी-संग्रह)                                       | श्रीकान्त दुबे              | 130 |
| तेज़ाब (कहानी-संग्रह)                                       | राजीव कुमार                 | 160 |
| अधूरे अन्त की शुरुआत (कहानी-संग्रह)                         | विमलेश त्रिपाठी             | 130 |
| प्रेमचन्द : दलित जीवन की कहानियाँ (कहानी-संग्रह)            | सम्पा. रवीन्द्र कालिया      | 220 |
| प्रेमचन्द : स्त्री जीवन की कहानियाँ (कहानी-संग्रह)          | सम्पा. रवीन्द्र कालिया      | 410 |
| प्रेमचन्द : हिन्दू-मुस्लिम एकता सम्बन्धी कहानियाँ एवं विचार | सम्पा. रवीन्द्र कालिया      | 320 |
| प्रेमचन्द दलित और स्त्री जीवन सम्बन्धी विचार (विचार)        | सम्पा. रवीन्द्र कालिया      | 140 |
| खूबसूरत है आज भी दुनिया (ग़ज़ल)                             | माधव कौशिक                  | 120 |

## उपलब्ध पुस्तकों की सूची

हिन्दी की मौलिक रचनाएँ 'लोकोदय ग्रन्थमाला' के अन्तर्गत प्रकाशित की जाती हैं। भारतीय भाषाओं से हिन्दी में अनूदित कृतियाँ 'राष्ट्रभारती ग्रन्थमाला' के अन्तर्गत प्रकाशित होती हैं। पुस्तक जिस मूल भाषा से हिन्दी में अनूदित हुई है, उसका नाम कोष्ठक में दिया गया है।

### उपन्यास

लोकोदय : हिन्दी के मौलिक उपन्यास

|                                  |                          |     |                              |                             |                         |
|----------------------------------|--------------------------|-----|------------------------------|-----------------------------|-------------------------|
| सूखते चिनार                      | मधु कांकरिया             | 150 | सुखफरोश                      | वीरेन्द्र जैन               | 180                     |
| प्रिंट लाइन                      | परितोष चक्रवर्ती         | 340 | नम्बरदार हुआ नाखुदा          | विजय                        | 140                     |
| तलघर                             | ज्ञानप्रकाश विवेक        | 180 | सात फेरे                     | चन्द्रकिशोर जायसवाल         | 680                     |
| दो मुर्दों के लिए गुलदस्ता       | सुरेन्द्र वर्मा          | 280 | दुक्खम सुक्खम                | ममता कालिया                 | 270                     |
| शब्द भी हत्या करते हैं           | हृदयेश                   | 130 | प्रेम की भूतकथा              | विभूति नारायण राय           | 150                     |
| घर का आखिरी कमरा                 | प्रियदर्शन मालवीय        | 150 | सुनीता (पेपरबैक)             | जैनेन्द्र कुमार             | 100                     |
| शालभंजिका                        | मनीषा कुलश्रेष्ठ         | 100 | ग्लोबल गाँव के देवता         | रणेन्द्र                    | 140                     |
| सुल्तान रज़िया                   | मेवाराम                  | 650 | टूटने के बाद                 | संजय कुन्दन                 | 100                     |
| चार दरवेश                        | हृदयेश                   | 170 | छुट्टी के दिन का कोरस        | प्रियंवद                    | 270                     |
| अज्ञेय रचनावली खंड-4             | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 500 | विश्वामित्र                  | ब्रजेश के. वर्मन            | 220                     |
| (शेखर एक जीवनी भाग-1,2)          |                          |     | अँधेरे के जुगनु              | रांघेय राघव                 | 170                     |
| अज्ञेय रचनावली खंड-5             | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 400 | आखेट                         | ज्ञानप्रकाश विवेक           | 150                     |
| (नदी के द्वीप, अपने अपने अजनबी)  |                          |     | देश निकाला                   | धीरेन्द्र अस्थाना           | 120                     |
| अज्ञेय रचनावली खंड-6             | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | 300 | त्याग पत्र (पेपरबैक)         | जैनेन्द्र कुमार             | 50                      |
| (बारहखम्भा, बीनू भगत, छाया मेखल) |                          |     | मेरा निर्णय                  | अभिमन्यु अनन्त              | 200                     |
| मुझे चाँद चाहिए                  | सुरेन्द्र वर्मा          | 500 | जीरो रोड                     | नासिरा शर्मा                | 350                     |
| दो मुर्दों के लिए गुलदस्ता       | सुरेन्द्र वर्मा          | 200 | दाराशुकोह                    | मेवाराम                     | 600                     |
| अँधेरे से परे                    | सुरेन्द्र वर्मा          | 40  | ओ इजा                        | शम्भूदत्त सती               | 130                     |
| फिर वही सवाल                     | दिनेश कर्नाटक            | 200 | प्रतिसंसार                   | मनोज रूपड़ा                 | 100                     |
| फॉस                              | विजय गौड़                | 270 | अनुत्तर योगी तीर्थकर महावीर, | भाग-1                       | वीरेन्द्र कुमार जैन 300 |
| दुर्गादास                        | प्रेमचन्द                | 100 | अनुत्तर योगी तीर्थकर महावीर, | भाग-2                       | वीरेन्द्र कुमार जैन 300 |
| सामने का आसमान                   | मधुर कपिला               | 380 | अनुत्तर योगी तीर्थकर महावीर, | भाग-3                       | वीरेन्द्र कुमार जैन 300 |
| पल्लवी                           | रमेश पोखरियाल निशंक      | 200 | अनुत्तर योगी तीर्थकर महावीर, | भाग-4                       | वीरेन्द्र कुमार जैन 300 |
| ये वो सहर तो नहीं (पुरस्कृत)     | पंकज सुबीर               | 230 | इन्द्रियजाल                  | प्रेम कासलीवाल              | 225                     |
| काटना शमी का वृक्ष               | सुरेन्द्र वर्मा          | 550 | शुद्धिपत्र                   | नीलाक्षी सिंह               | 150                     |
| आदिग्राम उपाख्यान (पुरस्कृत)     | कुणाल सिंह               | 200 | अकाल सन्ध्या                 | रामधारी सिंह दिवाकर         | 225                     |
| कल्याणी (पेपरबैक)                | जैनेन्द्र कुमार          | 70  | माटी कहे कुम्हार से          | मिथिलेश्वर                  | 385                     |
| सुखदा (पेपरबैक)                  | जैनेन्द्र कुमार          | 90  | ऋतुराज                       | निर्मल कुमार                | 395                     |
| सिरजनहार                         | उषा किरण खान             | 450 | जूनागढ़ की वैदेही            | सविता जैन                   | 100                     |
| ईहामृग                           | नीरजा माधव               | 180 | तथापि                        | प्रमोद त्रिवेदी             | 150                     |
| रेखाएँ दुख की                    | विष्णुचन्द्र शर्मा       | 120 | सुरजू के नाम                 | जयवन्ती डिमरी               | 65                      |
| वेयर डू आई बिलांग                | अर्चना पैन्थूली          | 390 | अम्बा नहीं, मैं भीष्मा!      | चित्रा चतुर्वेदी 'कार्तिका' | 130                     |
| वर:मिहिर                         | घनश्याम पाण्डेय          | 300 | त्रिवेणी (तीन उपन्यासिकाएँ)  | विजयदान देथा                | 220                     |
| 17 रानडे रोड                     | रवीन्द्र कालिया          | 300 | पिघलेगी बर्फ                 | कामतानाथ                    | 155                     |
| पानी बीच मीन पियासी              | मिथिलेश्वर               | 480 | राह न रुकी                   | रांघेय राघव                 | 100                     |
| बेनीमाधो तिवारी की पतोह          | मधुकर सिंह               | 140 | महागाथा                      | सीतेश आलोक                  | 480                     |
| मैंने नाता तोड़ा                 | सुषम बेदी                | 240 | अस्तित्व                     | ज्ञानप्रकाश विवेक           | 150                     |
| उपफ                              | प्रमोद कुमार तिवारी      | 380 | जो इतिहास में नहीं है        | राकेश कुमार सिंह            | 360                     |
| जगदीप जी की उत्तरकथा             | राजेन्द्र लहरिया         | 140 | झुण्ड से बिछुड़ा             | विद्यासागर नौटियाल          | 80                      |
|                                  |                          |     | धुआँ और चीखें                | दामोदर दत्त दीक्षित         | 190                     |
|                                  |                          |     | विक्रमादित्यकथा              | राधावल्लभ त्रिपाठी          | 300                     |
|                                  |                          |     | कोहरे में कैद रंग            | गोविन्द मिश्र               | 150                     |
|                                  |                          |     | समुद्र-संगम                  | भोलाशंकर व्यास              | 285                     |

|  |                             |     |  |                            |                |
|--|-----------------------------|-----|--|----------------------------|----------------|
| दर्दपुर  | क्षमा कौल                   | 400 | देवशिशु                                      | सुस्मिता बाग्ची            | 140            |
| जमीन   | भीमसेन त्यागी               | 240 | अरावली (गुजराती से)                          | किशोर सिंह सोलंकी          | 280            |
| हैलो सुजित   | तेजिन्दर                    | 70  | लेडीज हॉस्टल (गुजराती से)                    | केशुभाई देसाई              | 270            |
| बारी बारणा खोल दो  | सुलोचना रांगेय राघव         | 195 | तन्द्रालोक का प्रहरी (बांग्ला से)            | मनोज दास                   | 210            |
| जम्मू जो कभी शहर था  | पद्मा सचदेव                 | 190 | क्रिकेट (मलयालम से)                          | के.एल. मोहन वर्मा          | 310            |
| स्वप्न ही रास्ता है  | लवलीन                       | 120 | नीलकण्ठी ब्रज (असमिया से)                    | इन्दिरा गोस्वामी           | 140            |
| प्रेम तपस्वी   | अम्बिकाप्रसाद दिव्य         | 150 | सम्भाजी (मराठी से)                           | विश्वास पाटील              | 650            |
| मेघवाहन  | निर्मल कुमार                | 120 | बनगरवाड़ी (मराठी से)                         | व्यंकटेश द. माडगूलकर       | 80             |
| पठार पर कोहरा  | राकेश कुमार सिंह            | 150 | अन्धी सुरंग (डोगरी से)                       | वेद राही                   | 100            |
| सुरंग में सुबह   | मिथिलेश्वर                  | 225 | राजा पोखरे में कितनी मछलियाँ (मैथिली से)     | प्रभास चौधरी               | 95             |
| ज्वाला और जल   | हरिशंकर परसाई               | 60  | मास्टर साब (बांग्ला से)                      | महाश्वेता देवी             | 120            |
| अक्षयवट  | नासिरा शर्मा                | 280 | कालम् (मलयालम से)                            | एम. टी. वासुदेवन नायर      | 190            |
| परछाई नाच  | प्रियंवद                    | 160 | चाँदनी बेगम (उर्दू से)                       | कुर्रतुलएन हैदर            | 300            |
| भटको नहीं धनंजय  | पद्मा सचदेव                 | 75  | भव (कन्नड़ से)                               | यू. आर. अनन्तमूर्ति        | 120            |
| युद्धबीज   | ऋषिवंश                      | 120 | नटरंग (मराठी से)                             | आनन्द यादव                 | 110            |
| कठगुलाब  | मृदुला गर्ग                 | 260 | उत्तरसन्धान (बांग्ला से)                     | सुनील गंगोपाध्याय          | 110            |
| पंचनामा  | वीरेन्द्र जैन               | 225 | शोधयात्रा (मराठी से)                         | अरुण साधू                  | 175            |
| तुम्हारा सुख   | राजकिशोर                    | 100 | माधव कहीं नहीं हैं (गुजराती से)              | हरीन्द्र दवे               | 100            |
| क्षमा करना जीजी  | नरेन्द्र कोहली              | 110 | न जाने कहाँ-कहाँ (बांग्ला से)                | आशापूर्णा देवी             | 100            |
| निष्कवच  | राजी सेठ                    | 75  | कोट्टा (कन्नड़ से)                           | एम. वीरप्पा मोयिली         | 250            |
| पदातिक   | प्रणवकुमार वन्द्योपाध्याय   | 95  | शाहंशाह (मराठी से) (पेपरबैक)                 | नागनाथ इनामदार             | 425            |
| प्रेम न बाड़ी ऊपजै   | मिथिलेश्वर                  | 110 | मत्स्यगन्धा (असमिया से)                      | होमेन बरगोहाई              | 45             |
| श्रम एव जयते   | जयनन्दन                     | 50  | अवज्ञा (जापानी से)                           | शिमाजाकि तोसोन             | 150            |
| अग्निपर्व  | ऋता शुक्ल                   | 120 | दृश्य से दृश्यान्तर (बांग्ला से)             | आशापूर्णा देवी             | 185            |
| महाभारती   | चित्रा चतुर्वेदी 'कार्तिका' | 225 | गिरा अनयन नयन बिनु बानी (तेलुगु से)          | बलिवाड़ कान्ताराव          | 75             |
| अमृता प्रीतम : चुने हुए उपन्यास (आठ उपन्यासों का संकलन)        | अमृता प्रीतम                | 550 | मोहदंश (तमिल से)                             | ति. जानकीरामन              | 175            |
| गोमटेश गाथा  | नीरज जैन                    | 120 | सब्ज तोरण के उस पार (बांग्ला से)             | आशुतोष मुखोपाध्याय         | 85             |
| कगार की आग   | हिमांशु जोशी                | 75  | उत्तरमार्ग (उड़िया से)                       | प्रतिभा राय                | 200            |
| छाया मत छूना मन  | हिमांशु जोशी                | 100 | अस्तराग (असमिया से)                          | होमेन बरगोहाई              | 55             |
| विपात्र  | ग. मा. मुक्तिबोध            | 80  | पानीपत (मराठी से)                            | विश्वास पाटील              | 400            |
| कृष्णकली   | शिवानी                      | 200 | प्रारब्ध (बांग्ला से)                        | आशापूर्णा देवी             | 300            |
| जुलूस  | फणीश्वरनाथ 'रेणु'           | 110 | पाखी घोड़ा (असमिया से)                       | बीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य | 410            |
| सूरज का सातवाँ घोड़ा   | धर्मवीर भारती               | 80  | दुर्दम्य (मराठी से)                          | गंगाधर गाडगिल              | 600            |
| अपने-अपने अजनबी  | 'अज्ञेय'                    | 70  | पट्टमहादेवी शान्तला, 4 भागों में (कन्नड़ से) | सी.के. नागराजराव           | 300, भाग-1,3,4 |
| ग्यारह सपनों का देश  | लक्ष्मीचन्द जैन             | 150 | भाग-2 300, भाग-1,3,4                         | प्रत्येक                   | 225            |
| शतरंज के मोहरे   | अमृतलाल नागर                | 220 | सुब्बण्णा (कन्नड़ से)                        | मास्ति वेंकटेश अय्यंगार    | 55             |
| गुनाहों का देवता   | धर्मवीर भारती               | 220 | छावा (मराठी से)                              | शिवाजी सावन्त              | 650            |
| मुक्तिदूत  | वीरेन्द्र कुमार जैन         | 240 | निशान्त के सहयात्री (उर्दू से)               | कुर्रतुलएन हैदर            | 300            |
| वे दिन   | निर्मल वर्मा                | 210 | कोरे कागज़ (पंजाबी से)                       | अमृता प्रीतम               | 90             |
| लाल टीन की छत  | निर्मल वर्मा                | 275 | कहाँ पाऊँ उसे (बांग्ला से)                   | समरेश बसु 'कालकूट'         | 150            |
| एक चिथड़ा सुख  | निर्मल वर्मा                | 250 | कथा एक प्रान्तर की (मलयालम से)               | एस. के. पोट्टेक्काट        | 350            |
| अन्तिम अरण्य   | निर्मल वर्मा                | 220 | मृत्युंजय (असमिया से)                        | बीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य | 200            |
| रात का रिपोर्ट   | निर्मल वर्मा                | 160 | अमृता (गुजराती से)                           | रघुवीर चौधरी               | 300            |
|  |                             |     | शब्दों के पिंजरे में (बांग्ला से)            | असीम राय                   | 28             |
|  |                             |     | स्वामी (मराठी से)                            | रणजित देसाई                | 270            |
|  |                             |     | बकुलकथा (बांग्ला से)                         | आशापूर्णा देवी             | 400            |
| <b>राष्ट्रभारती : अन्य भाषाओं से हिन्दी में अनूदित उपन्यास</b> |                             |     |  |                            |                |
| बिम्ब प्रतिबिम्ब   | चन्द्रकान्त खोत             | 550 |  |                            |                |

|   |                          |  |                          |
|---|--------------------------|--|--------------------------|
| मूकज्जी (मूक आजीमाँ) (कन्नड़ से)के. शिवराम कारन्त           | 180                      | विभाजन : भारतीय भाषाओं की कहानियाँ : 2 नरेन्द्र मोहन | 400                      |
| सुवर्णलता (बांग्ला से)                                      | आशापूर्णा देवी           | कारोबार  | ओमा शर्मा 140            |
| माटीमटाल (उड़िया से)  | गोपीनाथ महान्ती          | खंडित संवाद  | से.रा. यात्री 170        |
| धूप और दरिया (पंजाबी से)                                    | जगजीत बराड़              | पचास बरस का बेकार आदमी                               | रवीन्द्र वर्मा 130       |
| मृत्युंजय (मराठी से)  | शिवाजी सावन्त            | सौरी की कहानियाँ                                     | नवीन कुमार नैथानी 120    |
| युगन्धर (मराठी से)  | शिवाजी सावन्त            | डर   | विमल चन्द्र पाण्डेय 150  |
| दायरे आस्थाओं के (कन्नड़ से)                                | स. लिं. भैरप्पा          | कैरियर, गर्लफ्रेंड और विद्रोह                        | अनुज 120                 |
| पूर्णावतार (बांग्ला से)                                     | प्रमथनाथ बिशी            | शहतूत  | मनोज कुमार पाण्डेय 120   |
| सहस्रफण (तेलुगु से)   | विश्वनाथ सत्यनारायण      | अकथ  | रणविजय सिंह सत्यकेतु 120 |
| गणदेवता (बांग्ला से)  | ताराशंकर बन्द्योपाध्याय  | ईस्ट इंडिया कम्पनी                                   | पंकज सुबीर 130           |
| हँसली बाँक की उपकथा (बांग्ला से)                            | तारा. बन्द्योपाध्याय     | मुन्ना बैड वाले उस्ताद                               | शिवदयाल 150              |
| पलासी का युद्ध (बांग्ला से)                                 | तपन मोहन चट्टोपाध्याय    | कित्ता पानी  | अनिता गोपेश 140          |
|   |                          | इच्छाएँ  | कुमार अम्बुज 110         |
| <b>कहानी, बोधकथा, लघुकथा</b>                                |                          | घोड़ा एक पैर   | दीपक शर्मा 100           |
| <b>लोकोदय : हिन्दी के मौलिक कहानी-संग्रह</b>                |                          | अलग अलग दीवारें                                      | सुमतिसक्सेना लाल 130     |
| इतवार नहीं  | कुणाल सिंह               | सूखा तथा अन्य कहानियाँ                               | निर्मल वर्मा 220         |
| जंक्शन  | चन्दन पांडेय             | कच्चे और काला पानी                                   | निर्मल वर्मा 180         |
| छतरी  | ओमप्रकाश वाल्मीकि        | बीच बहस में  | निर्मल वर्मा 150         |
| हर्ता कुँवर का वसीयतनामा                                    | उदयभानु पांडेय           | पिछली गर्मियों में                                   | निर्मल वर्मा 190         |
| भितरघात   | जयनन्दन                  | जलती झाड़ी   | निर्मल वर्मा 170         |
| हादसा   | राजनारायण                | परिन्दे तथा अन्य कहानियाँ                            | निर्मल वर्मा 140         |
| भीड़ में  | रूपसिंह चन्देल           | प्रतिनिधि कहानियाँ                                   | निर्मल वर्मा 140         |
| सूत की कहानी  | गोपाल कमल                | इस जंगल में  | दामोदर खड़से 120         |
| मर्द नहीं रोते  | सूरज प्रकाश              | फ्रिज में औरत  | मुशर्रफ आलम जौकी 120     |
| जिनकी मुट्ठियों में सुराख था                                | नीलाक्षी सिंह            | कोई मेरा अपना  | सुषमा जगमोहन 120         |
| पूर्वज  | श्रीकान्त दुबे           | जंगल का जादू तिल-तिल                                 | प्रत्यक्षा 120           |
| तेजाब   | राजीव कुमार              | अलग अलग दीवारें                                      | सुमति सक्सेना लाल 100    |
| अधूरे अन्त की शुरुआत  | विमलेश त्रिपाठी          | किस्सा-ए-कोहनूर                                      | पंखुरी सिन्हा 140        |
| प्रेमचन्द : दलित जीवन की कहानियाँ                           | सम्पा. रवीन्द्र कालिया   | कठपुतलियाँ   | मनीषा कुलश्रेष्ठ 140     |
| प्रेमचन्द : स्त्री जीवन की कहानियाँ                         | सम्पा. रवीन्द्र कालिया   | इन बिन   | पद्मा सचदेव 100          |
| प्रेमचन्द : हिन्दू-मुस्लिम एकता सम्बन्धी कहानियाँ एवं विचार | सम्पा. रवीन्द्र कालिया   | कागज़ी बुर्ज   | मीरा कांत 125            |
| प्यार के दो-चार पल  | कमल                      | छावनी में बेघर                                       | अल्पना मिश्र 120         |
| अयोध्याबाबू सनक गये हैं                                     | उमा शंकर चौधरी           | बाकी धुआँ रहने दिया                                  | राकेश मिश्र 120          |
| नौ लम्बी कहानियाँ   | सम्पा. रवीन्द्र कालिया   | भूलना  | चन्दन पाण्डेय 150        |
| आदमी का डर  | शेखर जोशी                | बाँस की पाटी   | संजय कुन्दन 180          |
| अज्ञेय रचनावली खंड-3 (सम्पूर्ण कहानियाँ)                    | सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल | गुलमेंहदी की झाड़ियाँ                                | तरुण भटनागर 150          |
| पता नहीं क्या होगा  | हरजेन्द्र चौधरी          | उलटबाँसी   | कविता 140                |
| पालवा   | भालचन्द्र जोशी           | बूढ़ा चाँद   | शर्मिला बोहरा जालान 120  |
| युवा पीढ़ी की प्रेम कहानियाँ                                | सं. रवीन्द्र कालिया      | जानकीपुल   | प्रभात रंजन 120          |
| लोकरंगी प्रेम कथाएँ   | सं. रवीन्द्र कालिया      | फूलों का बाड़ा                                       | मो. आरिफ़ 120            |
| हिन्दी की श्रेष्ठ प्रेम कहानियाँ                            | सं. रवीन्द्र कालिया      | आईने सपने और वसन्तसेना                               | रवि बुले 120             |
| गौरा गुनवन्ती   | सूर्यबाला                | अँधेरा समुद्र  | परितोष चक्रवर्ती 120     |
| भूख तथा अन्य कहानियाँ                                       | सुभाष शर्मा              | झूमरा बीबी का मेला                                   | रमापद चौधरी 100          |
| दासी की दास्तान   | विजयदान देथा             | बाहर कुछ नहीं था                                     | संजय खाती 100            |
| विभाजन : भारतीय भाषाओं की कहानियाँ : 1 नरेन्द्र मोहन        | 400                      | मानुस  | गौरी नाथ 100             |
|   |                          | सेवा नगर कहाँ है                                     | ज्ञानप्रकाश विवेक 100    |
|   |                          | सनातन बाबू का दाम्पत्य                               | कुणाल सिंह 130           |

|                               |                       |     |   |                            |     |
|-------------------------------|-----------------------|-----|---|----------------------------|-----|
| सीढ़ियों का बाजार             | मुक्ता                | 90  | क्रमशः  | कमल कुमार                  | 90  |
| वहीं रुक जाते                 | नरेन्द्र नागदेव       | 100 | एक अपवित्र पेड़   | प्रियंवद                   | 98  |
| गुफा का आदमी                  | संजीव                 | 100 | सूरज उगने तक  | चन्द्रकान्ता               | 105 |
| ग़मे-हयात ने मारा             | राजी सेठ              | 110 | भोर होने से पहले  | मिथिलेश्वर                 | 90  |
| कथा संस्कृति                  | सं. कमलेश्वर          | 600 | तपोवन में बवण्डर  | शीला गुजराल                | 60  |
| भीतर का वक्त                  | अल्पना मिश्र          | 90  | शहर के नाम  | मृदुला गर्ग                | 100 |
| पौ फटने से पहले               | अरुण कुमार 'असफल'     | 95  | अर्थ ओझल  | गोविन्द मिश्र              | 75  |
| कोई भी दिन                    | पंखुरी सिन्हा         | 90  | गोदभरी  | पद्मा सचदेव                | 120 |
| मेरी नाप के कपड़े             | कविता                 | 90  | क्रौंचवध तथा अन्य कहानियाँ  | ऋता शुक्ल                  | 160 |
| बहेलियों के बीच               | श्यामल बिहारी मेहतो   | 90  | कारवाँ आगे बढ़े   | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 80  |
| राजा, कोयल और तन्दूर          | पराग कुमार मांदले     | 90  | जिन्दगी लहलहायी   | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 100 |
| जोड़ा हारिल की रूपकथा         | राकेश कुमार सिंह      | 100 | गुलमोहर के गुच्छे   | मंजुल भगत                  | 40  |
| मौलश्री                       | शीला शर्मा            | 60  | मू. दे. एक और नीलांजना  | वीरेन्द्र कुमार जैन        | 35  |
| सागर तट के शहर                | हिमांशु जोशी          | 130 | सतह से उठता आदमी  | ग. मा. मुक्तिबोध           | 80  |
| अगले अँधेरे तक                | जितेन्द्र भाटिया      | 125 | प्यार की बातें तथा अन्य कहानियाँ                                    | सुरेन्द्र वर्मा            | 125 |
| अब्बू ने कहा था               | चन्द्रकान्ता          | 90  | प्राचीन भारत की श्रेष्ठ कहानियाँ                                    | डॉ. जगदीशचन्द्र जैन        | 85  |
| परिन्दे का इन्तजार-सा कुछ...  | नीलाक्षी सिंह         | 150 | बन्द गली का आखिरी मकान  | धर्मवीर भारती              | 130 |
| देस-परदेस                     | कमलेश्वर              | 220 | एक समर्पित महिला  | श्रीनरेश मेहता             | 100 |
| जो नहीं कहा गया               | नवनीत मिश्र           | 125 | काठ का सपना   | गजानन माधव मुक्तिबोध       | 110 |
| ब्रह्महत्या तथा अन्य कहानियाँ | शशिभूषण द्विवेदी      | 90  | क्षण बोले कण मुसकाये  | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 100 |
| सोयी हुई हीर                  | कर्तार सिंह दुग्गल    | 140 | महके आँगन चहके द्वार  | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 100 |
| अँधेरे में हँसी               | योगेन्द्र आहूजा       | 125 | जिन्दगी और गुलाब के फूल   | उषा प्रियंवदा              | 110 |
| बयान                          | चित्रा मुद्गल         | 70  | लो कहानी सुनो (पेपरबैक)   | अयोध्याप्रसाद गोयलीय       | 50  |
| पारुल दी                      | दिनेश पाठक            | 120 | आस्कर वाइल्ड की कहानियाँ  | सम्पा. धर्मवीर भारती       | 80  |
| बाजार में रामधन               | कैलाश वनवासी          | 130 | दीप जले शंख बजे (पेपरबैक)   | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 80  |
| वंशबेल                        | विजय                  | 140 | जयदोल   | 'अज्ञेय'                   | 120 |
| निर्वासन                      | उर्मिला शिरीष         | 120 | बाजे पायलिया के घुँघरू  | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 100 |
| सूखते स्रोत                   | जयनन्दन               | 120 | माटी हो गयी सोना  | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 60  |
| शिकारगाह                      | ज्ञानप्रकाश विवेक     | 120 | कुछ मोती कुछ सीप  | अयोध्याप्रसाद गोयलीय       | 80  |
| पथ-दंश                        | नीरजा माधव            | 85  | नये बादल  | मोहन राकेश                 | 130 |
| वामा                          | ए. असफल               | 100 | जिन खोजा तिन पाइयाँ   | अयोध्याप्रसाद गोयलीय       | 150 |
| ईर्ष्या तथा अन्य कहानियाँ     | राजेन्द्र कुमार मिश्र | 125 | जिन्दगी मुसकरायी  | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 100 |
| वापसी के नाखून                | नरेन्द्र नागदेव       | 100 | आकाश के तारे धरती के फूल  | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 60  |
| रक्तबीज                       | केशव                  | 90  | गहरे पानी पैठ   | अयोध्याप्रसाद गोयलीय       | 100 |
| लपटें                         | चित्रा मुद्गल         | 100 | दो हजार वर्ष पुरानी कहानियाँ  | जगदीशचन्द्र जैन            | 110 |
| तलहटी                         | शशिप्रभा शास्त्री     | 110 |   |                            |     |
| अन्तिम बयान                   | मंजुल भगत             | 100 | <i>राष्ट्रभारती : अन्य भाषाओं से हिन्दी में अनूदित कहानी-संग्रह</i> |                            |     |
| तुम कहो तो...                 | सीतेश आलोक            | 120 | समकालीन गुजराती कहानियाँ (गुजराती)                                  | मीनाक्षी जोशी              | 200 |
| उजाले के मुसाहिब              | विजयदान देथा          | 170 | औरत की कहानी (विविध)  | सं. सुधा अरोड़ा            | 200 |
| साँस की कलम से                | धर्मवीर भारती         | 350 | अन्तिम शब्द (मराठी से)  | गंगाधर गाडगिल              | 100 |
| ग्यारह लम्बी कहानियाँ         | निर्मल वर्मा          | 330 | दूर के पहाड़ (उड़िया से)  | पारमिता शतपथी              | 120 |
| चल खुसरो घर आपने              | मिथिलेश्वर            | 100 | अपने पराये (सिंधी से)   | कृष्ण खटवाणी               | 100 |
| दहलीज़ के उस पार              | रश्मि कुमार           | 100 | अपना-अपना अन्तरंग (तमिल से)   | डी. जयकान्तन               | 200 |
| खुदा की वापसी                 | नासिरा शर्मा          | 110 | पतझर में टूटी पत्तियाँ (प्रेरक प्रसंग)                              | रवीन्द्र केलेकर            | 100 |
| बूद                           | मंजुल भगत             | 140 | अँधेरे की आत्मा (मलयालम से)   | एम.टी. वासुदेवन नायर       | 150 |
| सपनप्रिया                     | विजयदान देथा          | 200 | लाल नदी (असमिया से)   | इन्दिरा गोस्वामी           | 160 |
| यह कहानी नहीं                 | राजी सेठ              | 85  | निरुत्तर (उड़िया से)  | प्रतिभा राय                | 100 |

|                                    |  |     |  |  |     |
|------------------------------------|--|-----|--|--|-----|
| जोगिन्दरपाल की कहानियाँ (उर्दू से) | जोगिन्दरपाल                            | 140 | निर्मल वर्मा और उत्तर औपनिवेशिक विमर्श   | कृ.द.पालीवाल                                 | 270 |
| आज का समय (बांग्ला से)             | सुनील गंगोपाध्याय                      | 100 | प्रतिरोध की संस्कृति और साहित्य          | परमानन्द श्रीवास्तव                          | 170 |
| इतनी दूर (उड़िया से)               | तरुणकान्ति मिश्र                       | 85  | हिन्दी व्याकरण के नवीन क्षितिज           | डॉ. रवीन्द्र कुमार पाठक                      | 450 |
| ये जीवन है (बांग्ला से)            | आशापूर्णा देवी                         | 160 | भारतीय दर्शन में आत्मा परमात्मा          | (समीक्षा)वीरसागर जैन                         | 160 |
| बाँस के फूल (तमिल से)              | बासन्ती                                | 85  | दलित साहित्य का समाजशास्त्र              | (अध्ययन)हरिनारायण ठाकुर                      | 500 |
| सात सौ बीस क्रदम (पंजाबी से)       | अमृता प्रीतम                           | 260 | अपभ्रंश भाषा और साहित्य                  | (समालोचना)राजमणि शर्मा                       | 160 |
| हीरामृग (पंजाबी से)                | महिन्दर सिंह सरना                      | 90  | धूप छाँही दिनकर                          | (आलोचना) डॉ. शम्भूनाथ                        | 150 |
| पूर्वाशा (उड़िया से)               | सम्पा. अनु. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र | 80  | झारखंड के आदिवासियों के बीच              | वीरभारत तलवार                                | 550 |
| वानप्रस्थ (मलयालम से)              | एम. टी. वासुदेवन नायर                  | 130 | विभाजन की त्रासदी : भारतीय कथादृष्टि     | नरेन्द्र मोहन                                | 100 |
| यात्रा (मराठी से)                  | शान्तराम                               | 150 | गाँधी और दलित भारत-जागरण                 | श्रीभगवान सिंह                               | 300 |
| ढलान की वेला (असमिया से)           | भवेन्द्रनाथ शङ्कीया                    | 100 | भारत विभाजन की अन्तःकथा                  | प्रियंवद                                     | 530 |
| एक आदमी की मौत (तेलुगु से)         | चन्द्रमौलि                             | 60  | रचनात्मक लेखन (पेपरबैक)                  | सं. रमेश गौतम                                | 130 |
| भारतीय कहानियाँ : 1990-91          | सम्पा. र.श. केलकर                      | 150 | उपन्यास की समकालीनता                     | ज्योतिष जोशी                                 | 200 |
| देवकी (उड़िया से)                  | प्रतिभा राय                            | 150 | कवि परम्परा : तुलसी से त्रिलोचन तक       | प्रभाकर श्रीत्रिय                            | 210 |
| भारतीय कहानियाँ : 1989             | सम्पा. र.श. केलकर                      | 150 | हिन्दी के निर्माता                       | कुमुद शर्मा                                  | 350 |
| लावा (मराठी से)                    | ह. मो. मराठे                           | 80  | कविता : पहचान का संकट                    | नन्दकिशोर नवल                                | 300 |
| द्वार नहीं खुले (गुजराती से)       | भगवती कुमार शर्मा                      | 70  | जातीय मनोभूमि की तलाश                    | रेवती रमण                                    | 145 |
| सप्तर्षि शंख (गुजराती से)          | मोहम्मद मांकड                          | 60  | बीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य             | विश्वनाथ प्रसाद तिवारी                       | 200 |
| अनय (मराठी से)                     | अरविन्द गोखले                          | 75  | आलोचना समय और साहित्य                    | रमेश दवे                                     | 150 |
| उन आँखों की कथा (तेलुगु से)        | रावूरि भारद्वाज                        | 65  | बीसवीं शताब्दी में हिन्दी नाटक और रंगमंच | गिरीश रस्तोगी                                | 190 |
| भारतीय कहानियाँ : 1987-88          | राजी सेठ, बिशन टण्डन                   | 80  | महाभारत की कथा (विश्लेषण)                | बुद्धदेव बसु                                 | 150 |
| मंगलसूत्र (मलयालम से)              | तकषी शिवशंकर पिल्लै                    | 200 | आदिग्रन्थ में संगृहीत सन्त कवि           | डॉ. महीप सिंह                                | 75  |
| मकड़ी का जाला (उड़िया से)          | जगन्नाथ प्रसाद दास                     | 70  | हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास             | सुमन राजे                                    | 320 |
| क्षितिज (कन्नड़ से)                | शान्तिनाथ देसाई                        | 75  | धर्मवीर भारती की साहित्य साधना           | सम्पा. पुष्पा भारती                          | 400 |
| लयबद्ध (तमिल से)                   | लक्ष्मी कण्ठन                          | 100 | भवभूति (विवेचन)                          | डॉ. अमृता भारती                              | 225 |
| किर्चियाँ (बांग्ला से)             | आशापूर्णा देवी                         | 200 | राधा माधव रंग रँगी                       | ('गीतगोविन्द' की व्याख्या) विद्यानिवास मिश्र | 200 |
| धूमाभ दिगन्त (उड़िया से)           | मनोज दास                               | 60  | रामायण का आचार-दर्शन                     | (वाल्मीकि-कथापात्र) अ.प्र. श्रीवास्तव        | 300 |
| सीधी रेखा (मराठी से)               | गंगाधर गाडगिल                          | 80  | कवि कह गया है (समालोचना)                 | अशोक वाजपेयी                                 | 125 |
| सेतुबन्ध (उड़िया से)               | यशोधरा मिश्र                           | 55  | दृश्यालेख (समालोचना)                     | प्रो. नन्दकिशोर नवल                          | 90  |
| अधूरे मनुष्य (तमिल से)             | डी. जयकान्तन                           | 130 | ज्ञानपीठ पुरस्कार-विजेता : 1965-02       | प्रभाकर श्रीत्रिय                            | 500 |
| भारतीय कहानियाँ : 1985             | सम्पा. बालस्वरूप राही                  | 80  | जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता             | प्रभाकर श्रीत्रिय                            | 110 |
| अँधारुआ (उड़िया से)                | सच्चिदानन्द राउतराय                    | 45  | रामायण के महिला-पात्र                    | डॉ. पाण्डुरंग राव                            | 100 |
| सत्रह कहानियाँ (पंजाबी से)         | अमृता प्रीतम                           | 100 | अपभ्रंश भाषा साहित्य की शोध-प्रवृत्तियाँ | (संवर्धित) डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री       | 130 |
| यह दाग दाग उजाला (उर्दू से)        | कुर्रतुलऐन हैदर                        | 160 | अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या          | रामस्वरूप चतुर्वेदी                          | 170 |
| गूँगे सुर बाँसुरी के (गुजराती से)  | पन्नालाल पटेल                          | 220 | शान्तिनिकेतन से शिवालिक                  | सं. शिवप्रसाद सिंह                           | 480 |
| भारतीय कहानियाँ : 1984             | सम्पा. बालस्वरूप राही                  | 70  | मानवमूल्य और साहित्य                     | डॉ. धर्मवीर भारती                            | 85  |
| परकाय-प्रवेश (कन्नड़ से)           | मास्ति वेंकटेश अय्यंगार                | 160 | शरत के नारी पात्र                        | डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी                      | 110 |

#### आलोचना-अनुसन्धान, अनुशीलन, अध्ययन

##### लोकोदय : हिन्दी की मौलिक कृतियाँ

|                                  |                |     |
|----------------------------------|----------------|-----|
| वैश्विक गाँव और आमआदमी           | पुष्पपाल सिंह  | 180 |
| गाँधी : एक खोज (अध्ययन)          | श्रीभगवान सिंह | 220 |
| हिन्दी आलोचना का स्वत्व (आलोचना) | अजय वर्मा      | 180 |
| आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास    | नंदकिशोर नवल   | 550 |
| आधुनिकता पर पुनर्विचार           | अजय तिवारी     | 200 |
| इतिहास में स्त्री                | सुमन राजे      | 190 |

##### राष्ट्रभारती : अन्य भाषाओं से हिन्दी में अनूदित

|  |                                   |     |
|--|-----------------------------------|-----|
| रामायण : मानवता का महाकाव्य                    | (अध्ययन) गुणवन्त शाह              | 650 |
| भारतीय सौन्दर्य सिद्धान्त की नयी परिभाषा       | (मराठी से) डॉ. सुरेन्द्र बारलिंगे | 225 |
| Ali Sardar Jafri : The Youthful Boatman of joy |                                   |     |
| Edited by Squadron Leader Anil Sehgal          |                                   | 240 |



## कविता

### लोकोदय : हिन्दी के कविता-संग्रह

|  |                        |     |                             |                          |     |
|--|------------------------|-----|-----------------------------|--------------------------|-----|
| सूत की कहानी                                     | गोपाल कमल              | 320 | भूमिकाएँ खत्म नहीं होतीं    | हरीशचन्द्र पाण्डेय       | 90  |
| ऋतुराज एक पल का                                  | बुद्धिनाथ मिश्र        | 140 | शुक्रतारा                   | मदन वात्स्यायन           | 150 |
| असहमति   | हरीशचन्द्र पांडेय      | 120 | पुरुष                       | श्रीनरेश मेहता           | 70  |
| यह जगह धड़कती है (गीत)                           | ओम प्रभाकर             | 120 | कथा कहो कविता               | दिनेश कुमार शुक्ल        | 75  |
| सुनो चारुशीला                                    | नरेश सक्सेना           | 120 | परछाई की खिड़की से          | राजुला शाह               | 75  |
| जनतन्त्र का अभिमन्यु                             | उमेश चौहान             | 120 | उनका बोलना                  | मोहन कुमार डहेरिया       | 80  |
| रेत में आकृतियाँ                                 | श्रीप्रकाश शुक्ल       | 120 | पहले तुम्हारा खिलना         | विजेन्द्र                | 90  |
| जहाँ भी हो ज़रा सी भी सम्भावना                   | प्रदीप जिलवाने         | 130 | क्या तो समय                 | अरुण देव                 | 40  |
| आधी रात में देवसेना                              | अंशुल त्रिपाठी         | 140 | नगाड़े की तरह बजते शब्द     | निर्मला पुतुल            | 75  |
| सौ साल फ़िदा                                     | गौरव सोलंकी            | 140 | सहसा कुछ नहीं होता          | बसन्त त्रिपाठी           | 40  |
| आने वाले कल पर                                   | सुधांशु उपाध्याय       | 120 | चुप्पी का शोर               | संजय कुन्दन              | 100 |
| बिल्कुल तुम्हारी तरह                             | जितेन्द्र श्रीवास्तव   | 100 | दुःखतन्त्र                  | बोधिसत्व                 | 75  |
| समुद्र में नदी                                   | दिनेश कुमार शुक्ल      | 150 | कोई नया समाचार              | प्रेमरंजन अनिमेष         | 40  |
| बुद्ध मुस्कुराये                                 | यश मालवीय              | 160 | धरती का आर्तनाद             | शीला गुजराल              | 70  |
| अज्ञेय रचनावली (खंड-2) सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल  |                        | 520 | कुछ न कुछ टकराएगा जरूर      | इन्दु जैन                | 85  |
| अज्ञेय रचनावली (खंड-1) सम्पा. कृष्णदत्त पालीवाल  |                        | 410 | एक ही तो है आखर             | शरद रंजन शरद             | 70  |
| तेरी ही बातें सुनाने आये                         | पद्मा सचदेव            | 120 | चाँद पर नाव                 | हेमन्त कुकरेती           | 85  |
| डूबा सा अनडूबा तारा                              | कैलाश वाजपेयी          | 170 | लिख सकूँ तो...              | नईम                      | 65  |
| कविताएँ बच्यन की:चयन अमिताभ कासं. पुष्पा भारती   |                        | 180 | वाचिक कविता : अवधी          | विद्यानिवास मिश्र        | 80  |
| उजाड़ में परिन्दे (नवगीत)                        | नईम                    | 140 | अन्तरा                      | मंजुला चतुर्वेदी         | 50  |
| एक दुनिया है असंख्य                              | सुन्दरचन्द ठाकुर       | 100 | हंस अकेला                   | रमानाथ अवस्थी            | 90  |
| आँधी में यात्रा                                  | विजय किशोर मानव        | 120 | त्रयी                       | कन्हैयालाल सेठिया        | 130 |
| आखर अरथ  | दिनेश कुमार शुक्ल      | 160 | उत्सव का निर्मम समय         | नन्द चतुर्वेदी           | 105 |
| पहली बार   | सन्तोष कुमार चतुर्वेदी | 120 | वाचिक कविता : भोजपुरी       | सम्पा. विद्यानिवास मिश्र | 80  |
| कहते हैं तब शहंशाह सो रहे थे                     | उमाशंकर चौधरी          | 120 | मेरी वाणी गैरिक वसना        | धर्मवीर भारती            | 120 |
| जवान होते हुए लड़के का कबूलनामा                  | निशान्त                | 130 | अचानक हम फिर                | नेमिचन्द्र जैन           | 115 |
| यात्रा   | रविकान्त               | 120 | भविष्य घट रहा है            | कैलाश वाजपेयी            | 75  |
| जिस तरह घुलती है काया                            | वाज़दा खान             | 120 | बर्फ के चेहरे               | शीला गुजराल              | 65  |
| अनाज पकने का समय                                 | नीलोत्पल               | 130 | जब मैं न रहूँ               | शीला गुजराल              | 65  |
| खिलाड़ी दोसत तथा अन्य कविताएँहरे प्रकाश उपाध्याय |                        | 120 | यहाँ कुछ हुआ तो था          | इन्दु जैन                | 60  |
| असुन्दर-सुन्दर                                   | जितेन्द्र श्रीवास्तव   | 110 | चैत्या                      | श्रीनरेश मेहता           | 180 |
| कभी जल कभी जाल                                   | हेमन्त कुकरेती         | 110 | सन्नाटे में दूर तक          | अमृता भारती              | 60  |
| वाजश्रवा के बहाने (खंड-काव्य)                    | कुँवर नारायण           | 180 | मुझे और अभी कहना है         | गिरिजाकुमार माथुर        | 120 |
| होने न होने से परे                               | अमित कल्ला             | 120 | पेड़ की छाया दूर है         | अजयकुमार सिंह            | 38  |
| मित्र  | सौमित्र                | 120 | अभ्यन्तर                    | इन्दिरा मिश्र            | 38  |
| कहीं और  | वीरेन्द्र कुमार जैन    | 115 | तृन्या                      | महेन्द्र प्रसाद सिंह     | 43  |
| मैं नहीं था लिखते समय                            | गोबिन्द प्रसाद         | 100 | संवाद तुमसे                 | विजयदेव नारायण साही      | 45  |
| जगह जैसी जगह                                     | हेमन्त शेष             | 100 | मूक माटी                    | आचार्य विद्यासागर        | 250 |
| कटे अँगूठे का पर्व                               | कुमार रवीन्द्र         | 100 | खिलाफ हवा से गुजरते हुए     | विनोद दास                | 35  |
| दूब-धान  | अनामिका                | 150 | महादेवी : प्रतिनिधि कविताएँ | महादेवी वर्मा            | 200 |
| रात और विषकन्या                                  | नोमान शौक              | 135 | संचयिता                     | रामधारी सिंह 'दिनकर'     | 180 |
| छगन बा दमामी                                     | देवव्रत जोशी           | 100 | स्वर्णरेख                   | बशीर अहमद 'मयूख'         | 80  |
| खाली कोना  | हरिओम राजोरिया         | 75  | बावरा अहेरी                 | अज्ञेय                   | 80  |
| आदमी के अरण्य में                                | अमृता भारती            | 175 | ठण्डा लोहा                  | धर्मवीर भारती            | 100 |
|  |                        |     | पाँच जोड़ बाँसुरी           | सं. चन्द्रदेव सिंह       | 150 |
|  |                        |     | कितनी नावों में कितनी बार   | 'अज्ञेय'                 | 120 |
|  |                        |     | शहर अब भी सम्भावना है       | अशोक वाजपेयी             | 80  |

|                                  |                                     |     |   |                         |     |
|----------------------------------|-------------------------------------|-----|---|-------------------------|-----|
| तार सप्तक                        | सम्पा. 'अज्ञेय'                     | 175 | श्रीराधा (उड़िया से)                                      | रमाकान्त रथ             | 90  |
| दूसरा सप्तक                      | सम्पा. 'अज्ञेय'                     | 150 | कविता मेरी साँस (तेलुगु से)                               | सि. नारायण रेड्डी       | 190 |
| तीसरा सप्तक                      | सम्पा. 'अज्ञेय'                     | 150 | इसी मिट्टी से (मराठी से)                                  | 'कुसुमाग्रज'            | 100 |
| चौंसठ कविताएँ                    | इन्दु जैन                           | 120 | भारतीय कविताएँ : 1985                                     | सम्पा. बालस्वरूप राही   | 70  |
| इतिहास-पुरुष                     | देवराज                              | 65  | बसन्त के एकान्त ज़िले में (उड़िया से)                     | सच्चिदानन्द राउतराय     | 120 |
| आत्मजयी                          | कुँवर नारायण                        | 120 | अमृता प्रीतम : चुनी हुई कविताएँ (पंजाबी से)               | अमृता प्रीतम            | 130 |
| संक्रान्त                        | कैलाश वाजपेयी                       | 80  | स्मृति सत्ता भविष्यत (बांग्ला से)                         | विष्णु दे               | 190 |
| चाँद का मुँह टेढ़ा है            | ग. मा. मुक्तिबोध                    | 230 | संकल्प सन्नास संकल्प (बांग्ला से)                         | विष्णुकान्त शास्त्री    | 150 |
| आँगन के पार द्वार                | 'अज्ञेय'                            | 90  | रामायण दर्शनम् (कन्नड़ से)                                | कु. वें. पुट्टपा        | 80  |
| रूपाम्बरा                        | सं. सच्चिदानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' | 390 | निशीथ (गुजराती से)  | उमाशंकर जोशी            | 245 |
| सात गीत वर्ष                     | धर्मवीर भारती                       | 80  | एक और नचिकेता (मलयालम से)                                 | जी. शंकर कुरूप          | 60  |
| अरी ओ करुणा प्रभामय              | 'अज्ञेय'                            | 150 | ओटक्कुषळ् (बाँसुरी) (मलयालम से)                           | जी. शंकर कुरूप          | 200 |
| कनुप्रिया                        | धर्मवीर भारती                       | 100 | (प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित कृति)                |                         |     |
| कनुप्रिया (रंगीन डीलक्स संस्करण) | धर्मवीर भारती                       | 180 | देशान्तर (21 पाश्चात्य देशों की 163 कविताओं का अनुवाद)    |                         |     |
| अँधेरे में बुद्ध                 | गगन गिल                             | 110 | धर्मवीर भारती   |                         | 320 |
| यह आकांक्षा समय नहीं             | गगन गिल                             | 125 | <b>शायरी</b>  |                         |     |
| दिल्ली में उनींदे (स्मृति लेख)   | गगन गिल                             | 195 | <b>राष्ट्रभारती : उर्दू की पुस्तकें देवनागरी लिपि में</b> |                         |     |
| एक दिन लौटेगी लड़की              | गगन गिल                             | 125 | खूबसूरत है आज भी दुनिया (गज़ल)                            | माधव कौशिक              | 120 |
| थपक थपक दिल, थपक थपक             | गगन गिल                             | 150 | शहरयार सुनो...  | चयन एवं सं. गुलज़ार     | 220 |
|                                  |                                     |     | फ़ैज़ की सदी  | सं. रवीन्द्र कालिया     | 100 |
|                                  |                                     |     | गज़ल प्रवेशिका  | राजेन्द्र कुमार पाराशर  | 105 |
|                                  |                                     |     | इन्तखाब   | प्रियदर्शी ठाकुर 'खयाल' | 80  |
|                                  |                                     |     | अन्दाज़ अपना अपना   | संकलन : रमेश चन्द्र     | 100 |
|                                  |                                     |     | मेरा सफ़र   | अली सरदार जाफ़री        | 120 |
|                                  |                                     |     | धूप तितली फूल   | प्रियदर्शी ठाकुर 'खयाल' | 40  |
|                                  |                                     |     | उर्दू शायरी : मेरी पसन्द                                  | श्रेयांस प्रसाद जैन     | 120 |
|                                  |                                     |     | करुणा और दर्द के धनी महाकवि अनीस सालेह आबिदहुसैन          |                         | 100 |
|                                  |                                     |     | बन्ने-ज़िन्दगी : रंगे-शायरी                               | 'फ़िराक़' गोरखपुरी      | 230 |
|                                  |                                     |     | ग़ालिब  | सम्पा. रमानाथ 'सुमन'    | 300 |
|                                  |                                     |     | मीर   | सम्पा. रमानाथ 'सुमन'    | 140 |
|                                  |                                     |     | शायरी के नये मोड़ (पाँच भागों में)                        | सम्पा. गोयलीय           |     |
|                                  |                                     |     | पृ. सं. भा. एक 288, दो 214, तीन 160, चार 240, पाँच 224    |                         |     |
|                                  |                                     |     |   | प्रत्येक भाग            | 100 |
|                                  |                                     |     | शायरी के नये दौर (पाँच भागों में)                         | सम्पा. गोयलीय           |     |
|                                  |                                     |     | पृ. सं. भा. एक 336, दो 202, तीन 238, चार 248, पाँच 196    |                         |     |
|                                  |                                     |     |   | प्रत्येक भाग            | 100 |
|                                  |                                     |     | शेर-ओ-सुखन (भाग-2, 3, 4, 5)                               | सम्पा. गोयलीय           |     |
|                                  |                                     |     | पृ. सं. भा. दो 324, तीन 264, चार 302, पाँच 254            |                         |     |
|                                  |                                     |     |   | प्रत्येक भा.            | 100 |
|                                  |                                     |     | शेर-ओ-सुखन (भाग-एक)                                       | सम्पा. गोयलीय           | 200 |
|                                  |                                     |     | शेर-ओ-शायरी   | सम्पा. गोयलीय           | 175 |
|                                  |                                     |     | <b>नाटक</b>   |                         |     |
|                                  |                                     |     | <b>लोकोदय : हिन्दी के मौलिक नाटक</b>                      |                         |     |
|                                  |                                     |     | अन्त हाज़िर हो  | मीराकांत                | 120 |
|                                  |                                     |     | महामाई  | चन्द्रशेखर कंबार        | 120 |

|  |                      |     |   |                       |     |
|--|----------------------|-----|---|-----------------------|-----|
| गोडसे@गाँधी.कॉम  | असगर वजाहत           | 100 | हिन्दी काव्य के मूलाधार   | योगेन्द्र प्रताप सिंह | 200 |
| नदी प्यासी थी  | धर्मवीर भारती        | 100 | प्रेमचन्द की कहानियाँ : संवेदना और शिल्प                              | रामकिशोर शर्मा        | 100 |
| रति का कंगन  | सुरेन्द्र वर्मा      | 150 | हिन्दी साहित्य में ईसाई मिशनरियों की भूमिकारेणु                       | सिंह                  | 300 |
| शकुन्तला की अँगूठी                                     | सुरेन्द्र वर्मा      | 100 | काव्य परिदृश्य : कल और आज   | परमानन्द श्रीवास्तव   | 80  |
| तीन नाटक   | सुरेन्द्र वर्मा      | 60  | साम्प्रदायिकता का ज़हर  | सं. रणजीत             | 150 |
| आठवाँ सर्ग   | सुरेन्द्र वर्मा      | 95  | धर्म और बर्बरता   | सं. रणजीत             | 100 |
| क्रैद-ए-हयात   | सुरेन्द्र वर्मा      | 150 | त्रिवेणी  | आ. रामचन्द्र शुक्ल    | 40  |
| नींद क्यों रात भर नहीं आती                             | सुरेन्द्र वर्मा      | 65  |   |                       |     |
| सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण             | सुरेन्द्र वर्मा      | 125 | <b>हास्य-व्यंग्य</b>  |                       |     |
| अंधेरे से परे  | सुरेन्द्र वर्मा      | 40  | <b>लोकोदय : हिन्दी के व्यंग्य-संग्रह</b>                              |                       |     |
| जन विजय  | अजित पुष्कल          | 60  | <b>शेष-अवशेष</b>  | रवीन्द्रनाथ त्यागी    | 180 |
| दिमाग़े हस्ती दिल की बस्ती, है कहाँ? है कहाँ? महेन्द्र | भल्ला                | 120 | <b>एक अधूरी प्रेम कहानी का दुःखान्त</b>                               | कैलाश मंडलेकर         | 140 |
| तीन एकान्त   | निर्मल वर्मा         | 125 | <b>प्रत्यंचा</b>  | ज्ञान चतुर्वेदी       | 250 |
| कन्धे पर बैठा था शाप                                   | मीरा कांत            | 130 | <b>वसीयतनामा</b>  | पं. सूर्यनारायण व्यास | 170 |
| क्रौंचवध (काव्य-नाटक)                                  | विवेन्द्र            | 175 | <b>धौंधलेश्वर</b>   | गोपाल चतुर्वेदी       | 400 |
| नेपथ्य राग   | मीरा कान्त           | 50  | <b>अब तक छप्पन</b>  | यशवंत व्यास           | 190 |
| वायरस  | राजेश जैन            | 50  | <b>जो घर फूँके</b>  | ज्ञान चतुर्वेदी       | 210 |
| अंधेरे से आगे  | मृदुला बिहारी        | 60  | <b>वसन्त से पतझर तक</b>   | रवीन्द्रनाथ त्यागी    | 190 |
| युवा संन्यासी  | कैलाश वाजपेयी        | 60  | <b>यथासमय</b>   | शरद जोशी              | 210 |
| अन्ततः   | विवेकानन्द           | 30  | <b>प्रेमचन्द के फटे जूते</b>  | हरिशंकर परसाई         | 320 |
| दरिन्दे  | हमीदुल्ला            | 30  | <b>कबूतर, कौए और तोते</b>   | रवीन्द्रनाथ त्यागी    | 300 |
| शुतुरमुर्गा (पेपर बैक)                                 | ज्ञानदेव अग्निहोत्री | 40  | <b>यत्र तत्र सर्वत्र</b>  | शरद जोशी              | 250 |
| चन्द्रगुप्त  | जयशंकर प्रसाद        | 30  | <b>मेरे मुहल्ले के फूल</b>  | नरेन्द्र कोहली        | 375 |
| स्कन्दगुप्त  | जयशंकर प्रसाद        | 20  | <b>पूरब खिले पलाश</b>   | रवीन्द्रनाथ त्यागी    | 225 |
| अजात शत्रु   | जयशंकर प्रसाद        | 24  | <b>शहर बन्द है</b>  | अश्विनी कुमार दुबे    | 125 |
| ध्रुवस्वामिनी  | जयशंकर प्रसाद        | 12  | <b>आत्मा की पवित्रता</b>  | नरेन्द्र कोहली        | 60  |
|  |                      |     | <b>हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे</b>                                     | शरद जोशी              | 100 |
|  |                      |     | <b>माननीय सभासदों!</b>  | जवाहर चौधरी           | 80  |
|  |                      |     | <b>फ़ाइल पढ़ि-पढ़ि</b>  | गोपाल चतुर्वेदी       | 200 |
|  |                      |     | <b>विषकन्या</b>   | रवीन्द्रनाथ त्यागी    | 120 |
|  |                      |     | <b>यथासम्भव</b>   | शरद जोशी              | 380 |
|  |                      |     | <b>हँसे तो फूल झड़ें</b>  | अयोध्याप्रसाद गोयलीय  | 110 |
|  |                      |     | <b>सदाचार का तावीज़</b>   | हरिशंकर परसाई         | 100 |
|  |                      |     | <b>जैसे उनके दिन फिरे</b>   | हरिशंकर परसाई         | 100 |
|  |                      |     | <b>राष्ट्रभारती : अन्य भाषाओं से हिन्दी में अनूदित व्यंग्य-संग्रह</b> |                       |     |
|  |                      |     | <b>खिंचाइयाँ (मराठी से)</b>   | गंगाधर गाडगिल         | 220 |
|  |                      |     | <b>बस का टिकट (मराठी से)</b>  | गंगाधर गाडगिल         | 200 |
|  |                      |     | <b>ललित, वैचारिक निबन्ध</b>   |                       |     |
|  |                      |     | <b>लोकोदय : हिन्दी की मौलिक रचनाएँ</b>                                |                       |     |
|  |                      |     | <b>गंगा स्नान करने चलोगे</b>  | विश्वनाथ त्रिपाठी     | 180 |
|  |                      |     | <b>है कुछ, दीखे और</b>  | कैलाश वाजपेयी         | 200 |
|  |                      |     | <b>महाभारत की संरचना</b>  | बच्चन सिंह            | 130 |

|   |  |     |  |                       |     |
|---|--|-----|--|-----------------------|-----|
| शब्द और स्मृति                              | निर्मल वर्मा                                 | 130 | कालिदास का भारत  | भगवतशरण उपाध्याय      | 480 |
| कला का जोखिम                                | निर्मल वर्मा                                 | 195 | पत्र-पत्रकारिता  |                       |     |
| ढलान से उतरते हुए                           | निर्मल वर्मा                                 | 220 | इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियाँ   | सं. रवीन्द्र कालिया   | 250 |
| भारत और यूरोप : प्रतिश्रुति के क्षेत्र      | निर्मल वर्मा                                 | 195 | एक साहित्यिक के प्रेमपत्र (पत्राचार)   | पुष्पा भारती          | 650 |
| आदि, अन्त और आरम्भ                          | निर्मल वर्मा                                 | 230 | धर्मवीर भारती के पत्र...   | संकलन : पुष्पा भारती  | 100 |
| सर्जना-पथ के सहयात्री                       | निर्मल वर्मा                                 | 175 | सिने संसार और पत्रकारिता   | रामकृष्ण              | 165 |
| साहित्य का आत्म-सत्य                        | निर्मल वर्मा                                 | 200 | प्रिय राम (निर्मल वर्मा के पत्र)   | संपा. गगन गिल         | 130 |
| शताब्दी के ढलते वर्षों में                  | निर्मल वर्मा                                 | 400 | पत्राचार (पत्र-संकलन)  | सम्पा. बिन्दु अग्रवाल | 180 |
| अराजक उल्लास                                | कृष्णबिहारी मिश्र                            | 160 | हिन्दी पत्रकारिता  | डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र | 500 |
| अनहद  | कैलाश वाजपेयी                                | 175 | एक साहित्यिक की डायरी  | गजानन माधव मुक्तिबोध  | 140 |
| छोटे छोटे सुख                               | रामदरश मिश्र                                 | 100 | संस्मरण, यात्रा-वृत्तान्त, रेखाचित्र, रिपोर्टाज, जीवनी, साक्षात्कार, आत्मकथा, प्रेरक-प्रसंग, सुभाषित |                       |     |
| शब्द-संसार                                  | कैलाश वाजपेयी                                | 200 | लोकोदय : हिन्दी की मौलिक कृतियाँ   |                       |     |
| आधुनिक भारतीय रंगलोक                        | डॉ. जयदेव तनेजा                              | 230 | गालिब छुटी शराब (संस्मरण)  | रवीन्द्र कालिया       | 300 |
| साहित्य और स्वतन्त्रता : प्रश्न-प्रतिप्रश्न | देवेन्द्र इस्सर                              | 145 | पिछले पन्ने  | गुलज़ार               | 130 |
| साहित्य विचार और स्मृति                     | धर्मवीर भारती                                | 175 | अमेरिका और यूरोप में एक भारतीय मन  | वि.प्र.तिवारी         | 120 |
| स्वरूप-विमर्श                               | डॉ. विद्यानिवास मिश्र                        | 125 | ये जो है पाकिस्तान   | शिवेन्द्र कुमार सिंह  | 130 |
| व्यक्ति-व्यंजना                             | डॉ. विद्यानिवास मिश्र                        | 250 | संतूर : मेरा जीवन संगीत  | पं. शिवकुमार शर्मा    | 220 |
| दूसरे शब्दों में                            | निर्मल वर्मा                                 | 200 | लता मंगेशकर : ऐसा कहाँ से लाऊँ   | पद्मा सचदेव           | 160 |
| प्रसंगतः                                    | अमृता भारती                                  | 125 | साधना से संवाद   | प्रेमकुमार            | 230 |
| भाषा, साहित्य और देश                        | आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी                  | 160 | न मेधया (रामकृष्ण परमहंस के प्रेरक-प्रसंग)   | कृ.वि.मिश्र           | 160 |
| मराल  | कुबेरनाथ राय                                 | 85  | कविवर बच्चन के साथ (संस्मरण)   | अजित कुमार            | 250 |
| महादेवी : प्रतिनिधि गद्य-रचनाएँ             | महादेवी वर्मा                                | 300 | डुबोया मुझको होने ने (डायरी)   | कृष्ण बलदेव वैद       | 250 |
| व्यासपर्व                                   | दुर्गा भागवत                                 | 90  | भारतवर्ष में पैतालीस साल (संस्मरण)   | साइजी माकिनो          | 110 |
| गन्धमादन                                    | कुबेरनाथ राय                                 | 135 | 'उग्र' का परिशिष्ट (संस्मरण, दुर्लभ रचनाएँ)  | संपा. भवदेव पांडेय    | 250 |
| तरुणाई के सपने                              | सुभाषचन्द्र बोस                              | 100 | इन बिन... (संस्मरण)  | पद्मा सचदेव           | 100 |
| रस-आखेटक                                    | कुबेरनाथ राय                                 | 120 | धुंध से उठती धुन (संस्मरण)   | निर्मल वर्मा          | 250 |
| कहनी-अनकहनी                                 | धर्मवीर भारती                                | 125 | मोहाली से मेलबर्न (यात्रा वृत्तांत)  | फूलचन्द मानव          | 130 |
| ठेले पर हिमालय                              | धर्मवीर भारती                                | 160 | पाकिस्तान का मतलब क्या (यात्रा वृत्तांत)   | असगर वजाहत            | 120 |
| पश्यन्ती                                    | धर्मवीर भारती                                | 140 | हर बारिश में (यात्रा-संस्मरण)  | निर्मल वर्मा          | 150 |
| प्रिया नीलकण्ठी                             | कुबेरनाथ राय                                 | 100 | चीड़ों पर चाँदनी (यात्रा-संस्मरण)  | निर्मल वर्मा          | 200 |
| परिवेश                                      | मोहन राकेश                                   | 150 | सांस्कृतिक आलोक से संवाद (साक्षात्कार)   | डॉ. पुष्पिता          | 140 |
| फिर बैतलवा डाल पर                           | विवेकी राय                                   | 120 | पतझड़ में टूटी पत्तियाँ (प्रेरक प्रसंग)  | रवीन्द्र केलकर        | 100 |
| आत्मनेपद                                    | 'अज्ञेय'                                     | 200 | दर्द आया था दबे पाँव (संस्मरण)   | जे.एन. कौशल           | 200 |
| बना रहे बनारस                               | विश्वनाथ मुखर्जी                             | 120 | सदी के प्रश्न (लेख)  | जितेन्द्र भाटिया      | 120 |
| धर्म-दर्शन, संस्कृति                        |  |     | कल्पतरु की उत्सवलीला (रामकृष्ण परमहंस के जीवन-प्रसंग)  |                       |     |
| भक्ति काव्य से साक्षात्कार                  | कृष्णदत्त पालीवाल                            | 320 | कृष्णबिहारी मिश्र  | 450                   |     |
| रामायण महाभारत (काल, इतिहास, सिद्धान्त)     | वासुदेव पोद्दार                              | 225 | फिल्मी जगत में अर्धशती का रोमांच   | रामकृष्ण              | 200 |
| प्राचीन भारत की अर्थव्यवस्था                | डॉ. कमल किशोर मिश्र                          | 195 | कितना अकेला आकाश (यात्रा-वृत्तान्त)  | श्रीनरेश मेहता        | 70  |
| दर्शन, धर्म-अध्यात्म और संस्कृति            | डॉ. नन्दकिशोर देवराज                         | 140 | उत्सव पुरुष : श्रीनरेश मेहता (जीवनी)   | महिमा मेहता           | 150 |
| रामायण महातीर्थम्                           | कुबेरनाथ राय                                 | 350 | प्रेम पियाला जिन पिया (संस्मरण)  | पुष्पा भारती          | 150 |
| परम्परा और परिवर्तन                         | श्यामाचरण दुबे                               | 150 | नेह के नाते अनेक (संस्मरण)   | कृष्णबिहारी मिश्र     | 130 |
| खजुराहो की प्रतिध्वनियाँ                    | सं.—रमेशचन्द्र, दिनेश मिश्र, पद्मधर त्रिपाठी | 200 | अक्षरों की रासलीला (आलेख)  | अमृता प्रीतम          | 135 |
| शब्द, समय और संस्कृति (उड़िया से)           | सीताकान्त महापात्र                           | 95  | यादें (संस्मरण)  | सूर्यनारायण व्यास     | 265 |
| हिन्दू दर्शन : एक समकालीन दृष्टि            | डॉ. कर्ण सिंह                                | 160 |  |                       |     |
| रामकथा नवनीत                                | डॉ. पाण्डुरंग राव                            | 240 |  |                       |     |
| भारतीय संस्कृति का विकास                    | डॉ. मंगलदेव शास्त्री                         | 370 |  |                       |     |

|  |                     |     |
|--|---------------------|-----|
| याद आते हैं (संस्मरण)                                  | रमानाथ अवस्थी       | 80  |
| नेपथ्य नायक : लक्ष्मीचन्द्र जैनसम्पा. मोहन किशोर दीवान |                     | 115 |
| धर्मवीर भारती से साक्षात्कार                           | सम्पा. पुष्पा भारती | 125 |
| मैं कहती हूँ आँखिन देखी (यात्रा-वृत्तान्त) पद्मा सचदेव |                     | 85  |
| विनायक कृष्ण गोकाक (जीवनी)                             | डॉ. टी. आर. भट्ट    | 30  |
| आखिरी चट्टान तक (यात्रा-वृत्त)                         | मोहन राकेश          | 100 |
| पुरातत्त्व का रोमांस (रिपोर्ताज)                       | भगवतशरण उपाध्याय    | 190 |
| समय के पाँव (संस्मरण)                                  | माखनलाल चतुर्वेदी   | 120 |
| एक बूँद सहसा उछली (यात्रा-वृत्तान्त)                   | 'अज्ञेय'            | 220 |
| टूटा आम  | भगवतशरण उपाध्याय    | 100 |
| बना रहे बनारस  | विश्वनाथ मुखर्जी    | 150 |
| ज्ञानगंगा (सूक्ति-संकलन)                               | नारायणप्रसाद जैन    | 180 |
| दिल्ली में उनींदे (स्मृति लेख)                         | गगन गिल             | 195 |

#### राष्ट्रभारती : अन्य भाषाओं से हिन्दी में अनूदित

|  |                   |     |
|--|-------------------|-----|
| अनेक शरत् (यात्रा-वृत्तान्त, उड़िया से) सीताकान्त महापात्र |                   | 100 |
| पगले मन के दस चेहरे<br>(आत्मकथा, कन्नड़ से)                | के. शिवराम कारन्त | 320 |

#### ज्योतिष

|   |                                |     |
|---|--------------------------------|-----|
| भारतीय ज्योतिष  | डॉ. नेमिचन्द्र ज्योतिषाचार्य   | 350 |
| भद्रबाहुसंहिता सम्पा-अनु. : डॉ. नेमिचन्द्र ज्योतिषाचार्य    |                                | 225 |
| केवलज्ञानप्रश्नचूडामणिसम्पा. : डॉ. नेमिचन्द्र ज्योतिषाचार्य |                                | 100 |
| करलक्खण   | सम्पा-अनु. प्रफुल्ल कुमार मोदी | 20  |

#### संगीत

|   |                       |     |
|---|-----------------------|-----|
| संतूर : मेरा जीवन संगीत                           | पं. शिवकुमार शर्मा    | 220 |
| भारतीय संगीत वाद्य                                | डॉ. लालमणि मिश्र      | 450 |
| ध्वनि और संगीत                                    | प्रो. ललित किशोर सिंह | 220 |
| संगीत समयसार—आ. पार्श्वनाथ कृतसं.-अनु. आ.बृहस्पति |                       | 200 |

#### विधा - विविधा

|  |                      |      |
|--|----------------------|------|
| अमरकान्त संचयन   | सं. रवीन्द्र कालिया  | 480  |
| कई समयों में (कुँवर नारायण संचयन)सं. दिनेश कुमार शुक्ल,<br>यतीन्द्र मिश्र  |                      | 450  |
| मोहन राकेश संचयन   | सं. रवीन्द्र कालिया  | 600  |
| अज्ञेय रचना संचयन  | सं. कन्हैयालाल नन्दन | 700  |
| जैनेन्द्र रचनावली, जैनेन्द्र कुमार का सम्पूर्ण साहित्य 12 भागों में)<br>सम्पा. : निर्मला जैन, प्रत्येक भाग               |                      | 750  |
| डिमाई आकार में लगभग 8000 पृष्ठों में, पूरा सेट   |                      | 9000 |
| संशय के सायेसम्पादन : अशोक वाजपेयी, उदयन वाजपेयी<br>550(कृष्ण बलदेव वैद संचयन : उपन्यास, कहानी, नाटक और गद्य<br>रचनाएँ ) |                      |      |

## पेपरबैक पुस्तकें

### उपन्यास

|                      |                             |     |
|----------------------|-----------------------------|-----|
| परख                  | जैनेन्द्र कुमार             | 60  |
| कल्याणी              | जैनेन्द्र कुमार             | 70  |
| सुखदा                | जैनेन्द्र कुमार             | 160 |
| सुनीता               | जैनेन्द्र कुमार             | 100 |
| त्यागपत्र            | जैनेन्द्र कुमार             | 50  |
| दुर्गादास            | प्रेमचन्द                   | 60  |
| गोदान                | प्रेमचन्द                   | 75  |
| रंगभूमि              | प्रेमचन्द                   | 100 |
| प्रतिज्ञा            | प्रेमचन्द                   | 30  |
| निर्मला              | प्रेमचन्द                   | 30  |
| गबन                  | प्रेमचन्द                   | 55  |
| सेवासदन              | प्रेमचन्द                   | 50  |
| मुझे चाँद चाहिए      | सुरेन्द्र वर्मा             | 300 |
| कौरव सभा             | मित्तरसैन मीत               | 200 |
| देवदास               | शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय      | 60  |
| ज्वाला और जल         | हरिशंकर परसाई               | 45  |
| वे दिन               | निर्मल वर्मा                | 120 |
| लाल टीन की छत        | निर्मल वर्मा                | 150 |
| एक चिथड़ा सुख        | निर्मल वर्मा                | 140 |
| रात का रिपोर्टर      | निर्मल वर्मा                | 110 |
| अन्तिम अरण्य         | निर्मल वर्मा                | 120 |
| अमृता                | रघुवीर चौधरी                | 150 |
| अग्निपर्व            | ऋता शुक्ल                   | 70  |
| सहस्रफण              | विश्वनाथ सत्यनारायण         | 220 |
| महाभारती             | चित्रा चतुर्वेदी 'कार्तिका' | 120 |
| उत्तर मार्ग          | प्रतिभा राय                 | 110 |
| भटको नहीं धनंजय      | पद्मा सचदेव                 | 50  |
| न जाने कहाँ कहाँ     | आशापूर्णा देवी              | 70  |
| लीला चिरन्तन         | आशापूर्णा देवी              | 50  |
| बकुलकथा              | आशापूर्णा देवी              | 220 |
| सुवर्णलता            | आशापूर्णा देवी              | 230 |
| प्रारब्ध             | आशापूर्णा देवी              | 180 |
| अविनश्वर             | आशापूर्णा देवी              | 65  |
| जूझ                  | आनन्द यादव                  | 100 |
| कगार की आग           | हिमांशु जोशी                | 60  |
| छाया मत छूना मन      | हिमांशु जोशी                | 60  |
| छावा                 | शिवाजी सावन्त               | 450 |
| मूकज्जी (मूक आजीमाँ) | के. शिवराम कारन्त           | 70  |
| मुक्तिदूत            | वीरेन्द्र कुमार जैन         | 140 |
| कठगुलाब              | मृदुला गर्ग                 | 160 |
| गणदेवता              | ताराशंकर बन्धोपाध्याय       | 250 |
| हँसली बाँक की उपकथा  | ताराशंकर बन्धोपाध्याय       | 100 |

|                                 |                         |     |  |                      |     |
|---------------------------------|-------------------------|-----|--|----------------------|-----|
| कालम्                           | एम. टी. वासुदेवन नायर   | 85  | लपटें  | चित्रा मुद्गल        | 50  |
| अन्धी सुरंग                     | वेद राही                | 75  | काठ का सपना  | ग. मा. मुक्तिबोध     | 65  |
| भव                              | यू. आर. अनन्तमूर्ति     | 45  | सात सौ बीस क्रदम                                   | अमृता प्रीतम         | 160 |
| शाहंशाह                         | नागनाथ इनामदार          | 425 | सत्रह कहानियाँ                                     | अमृता प्रीतम         | 70  |
| अमृता प्रीतम : चुने हुए उपन्यास | अमृता प्रीतम            | 400 | चल खुसरो घर आपने                                   | मिथिलेश्वर           | 60  |
| कोरे कागज़                      | अमृता प्रीतम            | 50  | अन्तिम बयान  | मंजुल भगत            | 50  |
| मास्टर साब                      | महाश्वेता देवी          | 80  | आकाश के तारे धरती के फूलकन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 35                   |     |
| क्षमा करना जीजी                 | नरेन्द्र कोहली          | 75  | जयदोल  | 'अज्ञेय'             | 60  |
| कृष्णकली                        | शिवानी                  | 130 | शहर के नाम   | मुदुला गर्ग          | 60  |
| जुलूस                           | फणीश्वरनाथ 'रेणु'       | 70  | दहलीज़ के उस पार                                   | रश्मि कुमार          | 50  |
| अपने अपने अजनबी                 | 'अज्ञेय'                | 45  | कुछ मोती कुछ सीप                                   | अयोध्याप्रसाद गोयलीय | 50  |
| विपात्र                         | गजानन माधव मुक्तिबोध    | 50  | गहरे पानी पैठ                                      | अयोध्याप्रसाद गोयलीय | 90  |
| सुब्बण्णा                       | मास्ति वेंकटेश अय्यंगार | 30  | जिन खोजा तिन पाइयाँ                                | अयोध्याप्रसाद गोयलीय | 90  |
| शतरंज के मोहरे                  | अमृतलाल नागर            | 160 | लो कहानी सुनो                                      | अयोध्याप्रसाद गोयलीय | 45  |
| चाँदनी बेगम                     | कुर्रतुलएन हैदर         | 190 | यह कहानी नहीं                                      | राजी सेठ             | 45  |
| निशान्त के सहयात्री             | कुर्रतुलएन हैदर         | 160 | सपनप्रिया  | विजयदान देथा         | 120 |
| गुनाहों का देवता                | धर्मवीर भारती           | 150 | यात्रा   | शान्ताराम            | 50  |
| सूरज का सातवाँ घोड़ा            | धर्मवीर भारती           | 50  | ढलान की वेला                                       | भवेन्द्रनाथ शङ्कीया  | 45  |
| चन्दना                          | नीरज जैन                | 25  | दो हज़ार वर्ष पुरानी कहानियाँ                      | डॉ. जगदीशचन्द्र जैन  | 90  |
| रेत की इक्क मुट्टी              | गुरदयाल सिंह            | 50  | प्राचीन भारत की श्रेष्ठ कहानियाँ                   | डॉ. जगदीशचन्द्र जैन  | 70  |
| प्रेम न बाड़ी उपजै              | मिथिलेश्वर              | 90  | ये जीवन है   | आशापूर्णा देवी       | 100 |
| तुम्हारा सुख                    | राजकिशोर                | 65  | किर्चियाँ  | आशापूर्णा देवी       | 150 |

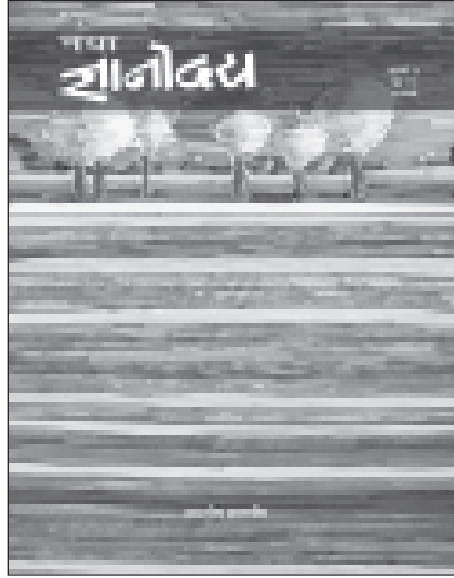
### कहानी, बोधकथा, सुभाषित आदि

|                                  |                        |     |                        |                            |     |
|----------------------------------|------------------------|-----|------------------------|----------------------------|-----|
| हिन्दी की श्रेष्ठ प्रेम कहानियाँ | सम्पा. रवीन्द्र कालिया | 200 | बन्द गली का आखिरी मकान | धर्मवीर भारती              | 70  |
| सूखा तथा अन्य कहानियाँ           | निर्मल वर्मा           | 100 | जिन्दगी लहलहायी        | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 80  |
| परिन्दे                          | निर्मल वर्मा           | 80  | माटी हो गयी सोना       | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 40  |
| कव्वे और काला पानी               | निर्मल वर्मा           | 110 | महके आँगन चहके द्वार   | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 60  |
| जलती झाड़ी                       | निर्मल वर्मा           | 100 | कारवाँ आगे बढ़े        | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 50  |
| पिछली गर्मियों में               | निर्मल वर्मा           | 110 | बाजे पायलिया के घुँघरू | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 120 |
| युवा पीढ़ी की प्रेम कहानियाँ     | सं. रवीन्द्र कालिया    | 200 | दीप जले शंख बजे        | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 45  |
| लोकसँगी प्रेमकथाएँ               | सं. रवीन्द्र कालिया    | 100 | जिन्दगी मुसकरायी       | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 70  |
| भीतर का वक्त                     | अल्पना मिश्र           | 50  | क्षण बोले कण मुसकाये   | कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' | 130 |
| पौ फटने से पहले                  | अरुण कुमार 'असफल'      | 50  |                        |                            |     |
| मेरी नाप के कपड़े                | कविता                  | 50  |                        |                            |     |
| बहेलियों के बीच                  | श्यामल बिहारी महतो     | 50  |                        |                            |     |
| कोई भी दिन                       | पंखुरी सिन्हा          | 50  |                        |                            |     |
| राजा, कोयल और तन्दूर             | पराग कुमार मांदले      | 50  |                        |                            |     |
| ज्ञानगंगा (सूक्ति-संकलन)         | नारायणप्रसाद जैन       | 90  |                        |                            |     |
| पारुल दी                         | दिनेश पाठक             | 60  |                        |                            |     |
| सूखते स्रोत                      | जयनन्दन                | 60  |                        |                            |     |
| निर्वासन                         | उर्मिला शिरीष          | 60  |                        |                            |     |
| शिकारगाह                         | ज्ञानप्रकाश विवेक      | 60  |                        |                            |     |
| आस्कर वाइल्ड की कहानियाँ         | सम्पा. धर्मवीर भारती   | 60  |                        |                            |     |
| सन्त विनोद                       | नारायण प्रसाद जैन      | 70  |                        |                            |     |
| यह दाग-दाग उजाला                 | कुर्रतुलएन हैदर        | 100 |                        |                            |     |

### कविता

|  |                             |     |
|--|-----------------------------|-----|
| कविताएँ बच्चन की : चयन अमिताभ बच्चन का | सम्पा. पुष्पा भारती         | 100 |
| कोई नया समाचार                         | प्रेम रंजन अनिमेष           | 40  |
| नगाड़े की तरह बजते शब्द                | निर्मला पुतुल               | 60  |
| दुःख तन्त्र                            | बोधिसत्व                    | 40  |
| क्या तो समय                            | अरुण देव                    | 40  |
| सहसा कुछ नहीं होता                     | बसन्त त्रिपाठी              | 40  |
| आसू                                    | जयशंकर प्रसाद               | 24  |
| प्रिय प्रवास                           | अयोध्या प्रसाद सिंह 'हरिऔध' | 80  |
| झरना                                   | जयशंकर प्रसाद               | 20  |
| चुप्पी का शोर                          | संजय कुन्दन                 | 40  |
| स्वर्णरेख                              | बशीर अहमद 'मयूख'            | 40  |

|                                 |                             |     |   |                               |     |
|---------------------------------|-----------------------------|-----|---|-------------------------------|-----|
| चाँद का मुँह टेढ़ा है           | गजानन माधव मुक्तिबोध        | 150 | स्कन्दगुप्त                                 | जयशंकर प्रसाद                 | 20  |
| संचयिता                         | रामधारी सिंह 'दिनकर'        | 120 | अजात शत्रु                                  | जयशंकर प्रसाद                 | 24  |
| तार सप्तक                       | 'अज्ञेय'                    | 80  | ध्रुवस्वामिनी                               | जयशंकर प्रसाद                 | 12  |
| दूसरा सप्तक                     | 'अज्ञेय'                    | 110 | नागमण्डल                                    | गिरीश कार्नाड                 | 40  |
| तीसरा सप्तक                     | 'अज्ञेय'                    | 100 | मुख्यमन्त्री                                | वि. वा. शिरवाडकर 'कुसुमाग्रज' | 50  |
| आँगन के पार द्वार               | 'अज्ञेय'                    | 50  | शूद्र तपस्वी एवं अन्य दो नाटक               | कु. वें. पुट्टप्पा            | 35  |
| कितनी नावों में कितनी बार       | 'अज्ञेय'                    | 60  | शुतुरमुर्ग                                  | ज्ञानदेव अग्निहोत्री          | 40  |
| महादेवी : प्रतिनिधि कविताएँ     | महादेवी वर्मा               | 110 |   |                               |     |
| अमृता प्रीतम : चुनी हुई कविताएँ | अमृता प्रीतम                | 100 | <i>निबन्ध, पत्रकारिता, यात्रा-वृत्तान्त</i> |                               |     |
| आत्मजयी                         | कुँवर नारायण                | 70  | कविता पहचान का संकट                         | नवलकिशोर नवल                  | 180 |
| ओटक्कुषळ                        | जी. शंकर कुरुप              | 80  | चीड़ों पर चाँदनी                            | निर्मल वर्मा                  | 100 |
| एक और नचिकेता                   | जी. शंकर कुरुप              | 30  | हिन्दी पत्रकारिता                           | डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र         | 300 |
| कनुप्रिया                       | धर्मवीर भारती               | 50  | फिर बैतलवा डाल पर                           | विवेकी राय                    | 75  |
| पाँच जोड़ बाँसुरी               | सं. चन्द्रदेव सिंह          | 60  | तरुणाई के सपने                              | सुभाषचन्द्र बोस               | 80  |
| थपक थपक दिल थपक थपक             | गगन गिल                     | 60  | रस-आखेटक                                    | कुबेरनाथ राय                  | 45  |
|                                 |                             |     | प्रिया नीलकण्ठी                             | कुबेरनाथ राय                  | 50  |
| <i>शायरी</i>                    |                             |     | मराल  | कुबेरनाथ राय                  | 100 |
| मेरा सफ़र                       | अली सरदार जाफ़री            | 70  | एक साहित्यिक की डायरी                       | गजानन माधव मुक्तिबोध          | 80  |
| बन्मे-ज़िन्दगी : रंगे शायरी     | 'फिराक' गोरखपुरी            | 130 | भाषा, साहित्य और देश                        | आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी   | 110 |
| मीर                             | सम्पा.-रामनाथ 'सुमन'        | 80  | कवि कह गया है                               | अशोक वाजपेयी                  | 55  |
| गालिब                           | सम्पा.-रामनाथ 'सुमन'        | 240 | महादेवी : प्रतिनिधि गद्य-रचनाएँ             | महादेवी वर्मा                 | 130 |
| शेर-ओ-शायरी                     | सम्पा.-अयोध्याप्रसाद गोयलीय | 120 | एक बूँद सहसा उछली                           | 'अज्ञेय'                      | 130 |
| शायरी के नये दौर (पाँच भाग)     | गोयलीय, प्रत्येक भाग        | 50  | आत्मनपद                                     | 'अज्ञेय'                      | 120 |
| शायरी के नये मोड़ (पाँच भाग)    | गोयलीय, प्रत्येक भाग        | 50  | रचनात्मक लेखन (बी.ए. पाठ्यक्रम, दि.वि.)     | सं. रमेश गौतम                 | 130 |
| शेर-ओ-सुखन (एक भाग)             | सम्पा. गोयलीय, प्रथम भाग    | 190 | कितना अकेला आकाश                            | नरेश मेहता                    | 45  |
| शेर-ओ-सुखन (2 से 5)             | सम्पा. गोयलीय, प्रत्येक भाग | 90  |   |                               |     |
| उर्दू शायरी : मेरी पसन्द        | श्रेयांस प्रसाद जैन         | 70  | <i>उपन्यास</i>                              |                               |     |
|                                 |                             |     | कल्याणी                                     | जैनेन्द्र कुमार               | 70  |
| <i>व्यंग्य</i>                  |                             |     | सुखदा                                       | जैनेन्द्र कुमार               | 90  |
| फ़ाइल पढ़ि-पढ़ि                 | गोपाल चतुर्वेदी             | 80  | दुर्गादास                                   | प्रेमचन्द                     | 60  |
| माननीय सभासदों!                 | जवाहर चौधरी                 | 40  | गोदान                                       | प्रेमचन्द                     | 75  |
| यत्र तत्र सर्वत्र               | शरद जोशी                    | 170 | रंगभूमि                                     | प्रेमचन्द                     | 100 |
| यथासम्भव                        | शरद जोशी                    | 200 | प्रतिज्ञा                                   | प्रेमचन्द                     | 30  |
| यथासमय                          | शरद जोशी                    | 140 | निर्मला                                     | प्रेमचन्द                     | 30  |
| हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे      | शरद जोशी                    | 80  | गबन   | प्रेमचन्द                     | 55  |
| प्रेमचन्द के फटे जूते           | हरिशंकर परसाई               | 190 | सेवासदन                                     | प्रेमचन्द                     | 50  |
| जैसे उनके दिन फिरे              | हरिशंकर परसाई               | 65  |   |                               |     |
| सदाचार का तावीज़                | हरिशंकर परसाई               | 70  | <i>आलोचना / निबन्ध</i>                      |                               |     |
| बस का टिकट                      | गंगाधर गाडगिल               | 75  | साहित्यालोचन                                | सं. श्यामसुन्दर दास           | 75  |
| विषकन्या                        | रवीन्द्रनाथ त्यागी          | 60  | कबीर ग्रन्थावली                             | सं. श्यामसुन्दर दास           | 90  |
| पूरब खिले पलाश                  | रवीन्द्रनाथ त्यागी          | 90  | जायसी ग्रन्थावली                            | सं. रामचन्द्र शुक्ल           | 250 |
| शहर बन्द है                     | अश्विनी कुमार दुबे          | 70  | जायसी                                       | रामचन्द्र शुक्ल               | 120 |
| हँसें तो फूल झड़ें              | अयोध्याप्रसाद गोयलीय        | 65  | भ्रमरगीत सार                                | रामचन्द्र शुक्ल               | 60  |
|                                 |                             |     |   |                               |     |
| <i>नाटक</i>                     |                             |     | <i>संस्मरण</i>                              |                               |     |
| शकुन्तला की अँगूठी              | सुरेन्द्र वर्मा             | 50  | गालिब छुटी शराब                             | सं. रवीन्द्र कालिया           | 150 |
| आठवाँ सर्ग                      | सुरेन्द्र वर्मा             | 25  |   |                               |     |
| चन्द्रगुप्त                     | जयशंकर प्रसाद               | 30  |   |                               |     |



सम्पादक : रवीन्द्र कालिया

मूल्य : यह अंक 30 रुपये

व्यक्ति : वार्षिक : 300 रुपये / त्रैवार्षिक : 800 रुपये / पंचवार्षिक : 1200 रुपये / आजीवन : 5000 रुपये

संस्था : वार्षिक : 350 रुपये / त्रैवार्षिक : 1000 रुपये / पंचवार्षिक : 1650 रुपये / आजीवन : 5000 रुपये



## भारतीय ज्ञानपीठ

18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, पो.बॉ. नं. 3113, नयी दिल्ली - 110 003

फोन : 2462-6467, 2465-4196, 2465-6201, 2469-8417,

फैक्स : (011) 2465-4197, ई-मेल : sales@jnanpith.net,

jnanpith@satyam.net.in, वेबसाइट : www.jnanpith.net

---

शोरूम : 4405/5, अंसारी रोड दरिया गंज, नयी दिल्ली-110 002

फोन/फैक्स : 91-011-23241619

---